शिक्षा और माँ-बाप

रसूलुल्लाह[स0] हमेशा और हर जगह बच्चों से मौहब्बत और शफ़क़्क़त (स्नेह) से पेश आते। जब आप सफ़र से वापस आते तो बच्चे उनके इस्तक़बाल के लिए दौड़ते। रसूलुल्लाह[स0] उनसे प्यार करते, मौहब्बत करते, कुछ बच्चों को अपने साथ सवार कर लेते और अपने असहाब[रज़0] (साथियों) से भी कहते कि दूसरों को वे सवार कर लें और इसी हालत में शहर के अन्दर लौटते।

एक साहब लिखते हैं : माँ-बाप की नज़र में मेरी कोई अहमियत न थी। जब मैं बच्चा था तो अक्सर मेरी तौहीन और डांटडपट करते रहते। किसी काम में मुझे शरीक न करते और अगर मैं कोई काम अंजाम देता तो उसमें से कीड़े निकालते और दोस्तों के सामने मेरी बेइज़्ज़ती करते। जिससे मैं एहसासे कमतरी में मुब्तला हो गया और अपने आपको एक फ़िजूल चीज़ समझता हूँ और कोई भी अपने बारे में फ़ैसला करते हुए डरता हूँ। अपने आप पर मुझे भरोसा नहीं। दूसरों की मौजूदगी में मुझसे कोई बात नहीं होती थी। इससे मालूम हुआ कि बच्चे की तौहीन, उसका मज़ाक़ और नीचा दिखाना बच्चे की शख़्सियत को तबाह व बर्बाद कर देती है। जिन माँ-बाप को अपनी औलाद से प्यार है, उन्हें चाहिए कि अपने बच्चों के एहतराम को हमेशा सामने रखें। क्योंकि बच्चा भी मुकम्मल इन्सान है और हर इन्सान को अपने आप से मौहब्बत होती है। उसकी ख़्वाहिश होती है कि दूसरे उसकी क़दर करें। उसके एहसासों का ख़्याल रखें। इसको वो अपनी क़द्रदानी समझता है। बच्चे के वुजूद को अहमियत देना उसकी तर्बियत में से एक अहम काम है। जिन बच्चों को एहतराम मैयस्सर हो वो नेक सीरत और शरीफ़ बनते हैं और अपने मक़ाम की हिफ़ाज़त के

लिए बुरे कामों से बचते हैं और कोशिश करते हैं कि अच्छे काम करके दूसरों की नज़र में अपना अहम मक़ाम बनाएँ। जिन बच्चों के माँ-बाप एक दूसरे का एहतराम करते हैं, बच्चे भी उनकी पैरवी करते हैं, इसके विपरीत जिन बच्चों के माँ-बाप अपने बच्चों की तौहीन व तहक़ीर करते हैं बच्चों के दिल में उनके ख़िलाफ़ नफ़रत पैदा हो जाती है जिससे वे जल्द या देर में सरकश और ना फ़रमान हो जाते हैं।

यह बात अफ़सोस का कारण है कि हमारे समाज में जिस तरह से बच्चों का एहतराम किया जाना चाहिए, नहीं किया जाता। उन्हें ख़ानदान का बाक़ायदा अंश शुमार नहीं किया जाता। उन्हें बाक़ायदा दावत नहीं दी जाती। उन्हें किसी निचली जगह पर कमरे के दरवाज़े के साथ जगह दी जाती है। उन्हें बाक़ायदा प्लेट चम्मच पेश नहीं किया जाता। गाड़ी में उनके लिए ख़ास जगह नहीं होती। या तो वे खड़े हो जाएँ या माँ-बाप की गौद में बैठ जाएँ। मललिस में उन्हें कोई ख़ास मक़ाम नहीं मिलता। जबकि हमें बच्चों की इज़्ज़त करनी चाहिए। रसूलुल्लाह[स0] ने फ़रमाया : अपनी औलाद की इज़्ज़त करो और उनकी अच्छी तर्बियत करना ताकि अल्लाह तुम्हें बख़्श दे।

औलाद की तर्बियत एक अहम फ़रीज़ा है। कुछ माँ-बाप की यह सोचते हैं कि बच्चे को दबाकर रखा जाए, उन पर सख़्ती की जाए कि अगर बच्चे से प्यार किया जाए तो वे बिगड़ जाते हैं। माँ-बाप बच्चों को इज़्ज़त वाला बनाने के लिए ख़ूब उसकी धुलाई करते हैं। बच्चे में इज़्ज़ते नफ़्स पैदा करने की बजाय उसकी इज़्ज़ते नफ़्स मारते हैं। बच्चा जैसे जैसे बड़ा होता है उसे उसकी आदत पड़ जाती है, क्योंकि उसकी इज़्ज़ते नफ़्स मर जाती है। कोई कुछ भी कहे उसे उसका असर नहीं होता और न ही बुरा महसूस होता है। उम्र के साथ-साथ यह आदत पुख़्ता हो जाती है।

माँ-बाप को चाहिए कि न सिर्फ़ अपने बच्चों के साथ शफ़क़त के साथ पेश आएं, बल्कि उनको ख़ास होने का एहसास दिलाएँ। उनसे

तुम या तू कहने की बजाय आप कहकर बात करने की आदत डालें। इसके दो फायदे हैं कि बच्चा हर किसी से इज़्ज़त की उम्मीद रखेगा। दूसरों से भी इसी तरह मुखातब होगा। वक़्त के साथ-साथ यह आदत और ज़्यादा निखर जाएगी। मार बच्चे में आपका डर पैदा कर सकती है इज़्ज़त नहीं।

बच्चे कभी ज़ालिम नहीं होते, सिर्फ़ मासूम होते हैं। किसी ज़ालिम और काफ़िर के घर पैदा होने वाला बच्चा भी बालिग़ होने तक पहुँचने से पहले पाकीज़ा फ़ितरत का हामिल होता है।

सेहतमंद बच्चे के लिए इज़्ज़ते नफ़्स एक ऐसा हथियार है, जो उसे दुनिया के मसाइल से निपटने में मददगार साबित होता है और जो बच्चे अपनी इज़्ज़ते नफ़्स के हवाले से अच्छा महसूस करते हैं वे ज़िन्दगी के चेलेन्जेज़ का बेहतर अंदाज़ में मुक़ाबला कर सकते हैं। ये बच्चे हक़ीक़त पसन्द होते हैं। एक माँ की हैसियत से मज़बूत क़ुव्वते इरादी का हामिल होना चाहिए। अच्छी इज़्ज़ते नफ़्स का मालिक होना चाहिए, ताकि बच्चे माँ को अपना रोल मॉडल बनाएँ क्योंकि माँ की शफ़क़्क़त व मौहब्बत बच्चे में ख़ुद एतमादी (आत्म विश्वास) बढ़ाने में अहम किरदार अदा करती है। बच्चे से अच्छी बातें करें कि तुम बहुत बहादुर हो और बहुत ज़हीन हो। हमें आप पर बड़ा गर्व है। मौक़ा माहौल के मुताबिक़ फ़ौरन बच्चे की तारीफ़ करें। इससे बच्चे में ख़ुद एतमादी बढ़ती है। आगे और अच्छा काम करने की कोशिश करेगा। यही कोशिश उसे अच्छा इन्सान बनने में मदद देगी। किसी दानिश्वर का क़ौल है कि बच्चे का ज़ेहन एक ऐसी ख़ूबसूरत स्लेट की तरह है, जिसे दुनिया की हर चीज़ ख़ूबसूरत दिखाई देती है और वह चाहता है कि दुनिया की सब रंगीनियाँ उसपर लिख दी जाएँ। संयुक्त राष्ट्र ने भी बच्चों के हुक़ूक़ की हिफ़ाज़त के लिए एक क़ानून तरतीब दिया है, जिनके हुछ अहम पुवाइन्ट ये हैं :

- माँ-बाप पर अपने बच्चों की ज़िम्मेदारी है कि वे बच्चों को अच्छी ज़िन्दगी के लिए उन्हें ख़ुराक, कपड़े और ज़िन्दगी की दूसरी चीज़ें मुहैया कराएँ। माँ-बाप पर यह ज़िम्मेदारी कॉलेज की तालीम मुकम्मल होने तक है।
- माँ-बाप बच्चों की अच्छी तर्बियत के ज़िम्मेदार हैं और उन्हें बच्चों की दिलचस्पी और ज़रूरियात का ख़्याल रखना चाहिए।
- बच्चे के किसी ज़ाती मामले में ख़ुद कोई फ़ैसला न कर सकने की सूरत में माँ-बाप का यह फ़र्ज़ है कि वे ख़ुद फ़ैसला करने के बजाय उसको फ़ैसला करने में मदद करें। क़ानून में एक अहम उसूल यह है कि माँ-बाप इस बात पर ज़ोर दें कि बढ़ती हुई उम्र के साथ बच्चा यह जाने कि बच्चे की अपनी एक राय है। बच्चे को बड़ा होने के साथ-साथ अपने फ़ैसले ख़ुद करने का ज़्यादा हक़ मिलना चाहिए। बच्चे को अपने बारे में फ़ैसला करने से पहले माँ-बाप को अपनी राय देने का हक़ हासिल है लेकिन जब बच्चा 12 साल का हो जाए तो इस बात पर ज़ोर दिया जाए कि बच्चे की अपनी राय क्या है।
- बच्चे को दोनों (माँ-बाप) के साथ रहने का हक़ है बेशक माँ-बाप अलग-अलग रहते हों।

ये नियम तो संयुक्त राष्ट्र के वाज़ेह किए हुए हैं, लेकिन हर अच्छी चीज़ की बुनियाद दीने इस्लाम ही है। यह एक मुस्ल्लमा हक़ीक़त है अगर शुरू के सालों में बच्चों की तर्बियत सही लाइन पर ना की जाए तो बाद में जितनी भी मेहनत व कोशिश की जाए तो वह लाभदायक साबित नहीं होती।

●●●

अध्यापकों के हुक़ूक़

तालीम के मैदान में अध्यापक का मुक़ाम बहुत बड़ा है और पूरे तालीमी निज़ाम में अध्यापक रीढ़ की हड्डी की हैसियत रखता है। अध्यापक के फ़रायज़ और ज़िम्मेदारियाँ तो लोग समझते हैं लेकिन इनके हुक़ूक़ से नज़रें फैर लेते हैं। शिक्षक के हुक़ूक़ ये हैं :

एहतराम

सबसे पहला हक़ शिक्षक का यह है कि उनका एहतराम किया जाए, इज़्ज़त की जाए, यह एहतराम और इज़्ज़त कमेटी के ज़िम्मेदारान व मेम्बरान भी करें, समाज और मआशरे के अफ़राद भी, स्कूल का स्टाफ भी, बच्चे और उनके माँ-बाप व सरपरस्त भी।

मुनासिब वेतन

अध्यापक की नियुक्ति करते वक्त स्कूल के स्तर और ज़रूरत को सामने रखा जाए और उसी सलाहियत और इल्मी क़ाबलियत के अध्यापक को नियुक्त किया जाए। सलाहियत और क़ाबलियत के अध्यापक को अच्छा और मुनासबि वेतन दिया जाए। मुनासिब वेतन ऐसा कि उसकी ज़रूरत के लिए काफ़ी हो, ताकि अध्यापक पूरी यकसूई और तवज्जोह के साथ तालीमी सरगर्मियाँ अंजाम दे सकें।

इल्म में इज़ाफ़े के मौक़े

यह भी शिक्षक का हक़ है कि उसको इल्म में इज़ाफ़ा और अपनी सलाहियत के बढ़ाने के अवसर फ़राहम किए जाएँ। मिसाल के तौर पर जो शिक्षक अनट्रेन्ड हों, उनको ट्रेनिंग दिलाई जाए। जो और ज़्यादा तालीम हासिल करने के इच्छुक हों उनको इस सिलसिले में

सहयोग दिया जाए। यह सहयोग उस शक्ल में भी हो सकता है कि हम उनको माली सहयोग दें और यह न हो तो कम से कम उनको परीक्षा के लिए स्कूल से वेतन के साथ रुख़्सत दी जाए। शिक्षकों की तालीमी सलाहियतों में इज़ाफ़ा होगा तो वे और बेहतर ढंग से तालीमी उमूर अंजाम देंगे। उनके लिए अपने स्कूल में मुख़्तसर कोर्सेज़ का प्रबन्ध करें और दूसरे स्कूलों के अध्यापकों को भी शामिल करें।

मशवरों में शरीक किया जाए

तालीमी उमूर में अध्यापकों से मशवरा भी करना चाहिए। निसाब के इन्तख़ाब के वक़्त उनकी राय ली जाए, तालीमी चार्ट तरतीब देते वक़्त उनके मशवरों पर ग़ौर किया जाए। ज़ाहिर है कि अध्यापक ही को योजना लागू करना है। उनके मशवरे अगर शामिल रहेंगे तो अमल करने में उनकी मर्ज़ी भी ज़्यादा होगी।

हौसला अफ़ज़ाई की जाए

बेहतर काम करने पर अध्यापकों की हौसला अफ़ज़ाई की जाए। Best Teacher Award दिए जाएँ। उससे अध्यापकों को और ज़्यादा मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी।

वाजिबात की बरवक़्त अदायगी

अध्यापक के वाजिबात, माहाना वेतन, दूसरे अलाउन्सेज़, रिटायर होने पर फण्ड वग़ैरह वक़्त पर अदा किए जाएँ।

सुरक्षा दिया जाए

कभी कभी कुछ बेकार लोगों या कम पढ़े लिखे लोग अपने बच्चों को दी जाने वाली सज़ा पर शिक्षक पर हमला कर देते हैं। इन हालात में ज़रूरी है कि स्कूल प्रबंधक की ओर अध्यापक के तहफ़्फ़ुज़ व सुरक्षा का पूरा इंतिज़ाम हो।

●●●

अध्यापक की ज़िम्मेदारियाँ

अध्यापक बच्चों के रूहानी माँ-बाप होते हैं। अध्यापक के हाथ में क़ौम का भविष्य होता है। अध्यापक अगर चाहे तो बच्चे को इल्म की बुलन्दियों पर पहुँचा सकता है। आज हमारे समाज में अधिकतर अध्यापक अपना किरदार भूल गए हैं, इस लिए क़ौम का भविष्य तारीक व अंधेर होता जा रहा है। उनके पास तालीम पाने वाले छात्र अख़्लाक़ी एतबार से ज़वाल (पतन) का शिकार हैं। अध्यापक की जिम्मेदारियाँ ये हैं :

अपने सब्जेक्ट में महारत हासिल करना

अध्यापक की ज़िम्मेदारी है कि वे जो सब्जेक्ट पढ़ाने का इरादा रखते हैं या जो सब्जेक्ट उन्हें सौंपा गया है, उसमें महारत पैदा करें, ताकि वे अच्छी और मेयारी तालीम दे सकें।

अपने सब्जेक्ट की तैयारी करना

जो सबक़ या चेप्टर शिक्षक को पढ़ाना है उसकी तैयारी एक रोज़ पहले ही कर लेनी चाहिए। तैयारी के बग़ैर सबक़ पढ़ाना ऐसा है, जैसे बासी सालन खिलाना। शिक्षक अपने सब्जेक्ट में कितना ही माहिर हो और वह चाहे कितनी ही बार उस सब्जेक्ट को पढ़ा चुका हो, उसके लिए यह ज़रूरी है कि वह उस सबक और सब्जेक्ट को पढ़ाने से पहले उसका अध्ययन करे।

अपडेट रहना

इल्म रोज़ तरक़्क़ी कर रहा है। इल्म के बाब में हर पल इज़ाफ़ा हो रहा है, इसलिए शिक्षक की ज़िम्मेदारी है कि वे अपने सब्जेक्टस में अपडेट रहें ताकि बच्चों को नई चीज़ें पढ़ा सकें।

मुख़्लिस और निष्ठावान होना

एक शिक्षक को स्कूल और छात्र के ताल्लुक़ से मुख़्लिस और निष्ठावान होना ज़रूरी है। इख़्लास व ईमानदारी के बग़ैर बेहतर नतीजा की आशा करना बेकार है। इसलिए अध्यापक को स्कूल और छात्र से दिली मौहब्बत होना चाहिए। बच्चों का नुक़सान उसे बरदाश्त न हो, वह स्कूल और छात्र का भला चाहने वाला हो।

यकसू (एकाग्र) होना

अध्यापक जब किसी स्कूल में नियुक्ति नामा हासिल कर लें तो यकसू होकर अपने फ़राइज़ अंजाम दें। हर वक्त अपने मक़सद और इरादे बदलते रहने से यकसूई प्रभावित होती है, जिससे छात्र का नुक्सान होता है।

डिसिप्लिन और अनुशासन का पाबन्द होना

स्कूल के नियमों व उसूलों, प्रिन्सिपल की तरफ़ से जो ज़िम्मेदारियाँ दी जाएं, उसे अदा करने के ताल्लुक़ से अध्यापक को डिसिप्लिन का पाबन्द होना चाहिए। संस्था में पैरवी और इताअत का नज्म जितना अच्छा होगा, तालीमी वातारण उसी क़द्र अच्छा होगा।

बे-वजह छुट्टी लेना

बे-वजह छुट्टी लेना ऐसा है जैसे जानबूझ कर आप बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हों। आपको एहसास होना चाहिए कि आपकी वजह से छात्र की ज़िन्दगी का एक महत्वपूर्ण समय बर्बाद हो गया।

●●●

सामाजी रज़ाकारों की ज़रूरत
(सिविल सोसाइटी)

समाज और मुआशरे में तब्दीली लाने के लिए हर शख़्स को अपना रोल अदा करना होगा। ज़ाहिर है कि आम लोगों की अकसरियत तो जाहिल है, अनपढ़ है, उनके बीच ही तो काम करना है। काम कौन करेगा? यह सवाल है। इस सवाल का जवाब यह है कि काम वह वर्ग और गिरोह करेगा, जो समझ बूझ रखने वाला और बुद्धिमान है, जिसका आम लोगों पर असर है, लोग जिसके पास आते हैं।

समाज के समझदार वर्गों में सरे फ़ेहरिस्त और सर्वप्रथम डाक्टर्स हैं। समाज उनको इज़्ज़त की नज़र से देखता है। ये अपने कर्मज़ पर रहते हैं। एक मौहल्ले और बस्ती के लोगों से उनका वास्ता है। लोग ज़रूरत में उनके पास आते हैं। उनके पास वक़्त है। ये लोगों को तालीम के लिए बेदार कर सकते हैं और उनके मसाइल भी हल कर सकते हैं। इसलिए मेरी उनसे गुज़ारिश है कि वे क़ौम की तस्वीर बदलने में अपना किरदार अदा करें।

दूसरा गरोह ताजिर और व्यापारी लोगों का है। ये अपनी व्यापार के नफ़ा व नुक़सान पर नज़र रखते हैं। इनके अन्दर मैनेजिंग की सलाहियत अच्छी है। ये एक कारख़ाना और फ़र्म बड़े अच्छे ढंग से चलाते हैं। इनके साथ भी लोगों के लाभ और फ़यादे जुड़े हैं। ये भी तस्वीर बदलने में अपने माल, अपने तजुर्बे और राब्ते से अहम किरदार अदा कर सकते हैं। आज कल हुकूमतें गिराना और बनाना व्यापारियों के ही हाथ में है।

तीसरा वर्ग वकील, इन्जीनियर, पत्रकार और दूसरे माहिरीन का है। इन लोगों की समाज पर गहरी पकड़ होती है। और समाज में इज़्ज़त की नज़र से देखे जाते हैं। इनके ज़रिए सरकारी स्कीमों से फ़ायदा हो सकता है। आम लोग इनसे जुड़े हैं। इनको चाहिए कि सोसाइटी की तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें।

एक वर्ग अध्यापक का है। जिहालत के नुक़सानात से इनसे ज़्यादा कौन वाक़िफ़ होगा। इनके पास वक़्त भी बहुत है। लेकिन अफ़सोस के साथ कहना पड़ रहा है कि सबसे कम सोशल एक्टिविज़्म इनकी ही ओर से है। अगर बस्ती के अध्यापक चाहें तो क्या नहीं कर सकते। ये ग़रीब छात्र को मुफ्त पढ़ा सकते हैं। कमज़ोर छात्र की कमज़ोरी दूर कर सकते हैं, बालिग़ों के लिए तालीम केन्द्र क़ायम करके पढ़ाई लिखाई में इज़ाफ़ा कर सकते हैं। जापान इसकी बेहतरीन मिसाल है। जापान को तरक़्क़ी के इस मक़ाम तक पहुँचाने का सेहरा (क्रेडिट) एक अध्यापक के सर है। मैं उनसे अनुरोध करूँगा कि आज से ही अपना काम शुरु कर दें। ऊपर के तीनों गरोह भी उनकी सहायता करने को तैयार हैं।

समाज में एक वर्ग इमामों और हाफ़िज़ो का भी है। गुस्ताख़ी माफ़ ये लोग ख़ुद को मख़दूम यानी जिस की सेवा की जाए समझते हैं। किसी की ख़िदमत करने का तो इन्हें ख़्याल भी नहीं आता। हालांकि अगर समाज की ख़िदमत का जज़्बा इनके अन्दर पैदा हो जाए तो फिर हर शख़्स होशियार हो जाए। मिसाल के तौर पर मौहल्ले में गन्दगी है। इमाम साहब का एक किरदार तो यह है कि मस्जिद में सफ़ाई पर एक ख़ूबसूरत सी तक़रीर फरमा दें। ज़ाहिर है कि तक़रीर से तस्वीर बदलती तो कब की बदल गई होती। दूसरा किरदार यह है कि इमाम साहब ख़ुद आगे बढ़कर सफ़ाई करना और करवाना शुरु कर दें तो इमानदारी से

बताएँ कौन शख़्स ऐसा होगा, जो इमाम साहब से सफ़ाई कराएगा। मेरी गुज़ारिश उलमा और इमामों से है कि वे तक़रीर के साथ अम्ली तौर पर भी करके दिखाएँ।

इन वर्गों और गिरोहों को मिलाकर सिविल सोसाइटी वुजूद में आती है। ये सिविल सोसाइटी हमें हर जगह डेवलप करना चाहिए। उसके आपसी तालमेल से क़ौम की तस्वीर बदलेगी, रास्ते आसान होगी। सिविल सोसाइटी ज़िम्मेदार लोगों का इदारा है। ये लोग इस क़ाबिल हैं कि आम लोगों के लिए फ़लाही, रिफ़ाही, तालीमी सरगर्मियाँ इस सतह पर अंजाम दे सकें कि क़ौम की तस्वीर बदली जा सके।

●●●

नेटवर्किंग

नई टेक्नॉलोजी ने हमें ज़िन्दगी की जो आसानियाँ दी हैं, उसमें नेटवर्किंग की सहूलियत भी है। आप दस लोग हैं, दस अलग अलग इदारे चला रहे हैं। अपने इदारे के मसाइल ख़ुद ही झेल रहे हैं, परेशान हैं, पैसे भी ज़्यादा ख़र्च कर रहे हैं और रिज़ल्ट भी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं है। अगर आप दस लोग आपस में नेटवर्किंग कर लें, सब मिलकर बैठें, अपने तजुरबात शेयर करें, अपने मसायल डिसकस करें और हल तलाश करेंगे तो दस गुना तरक़्क़ी बढ़ जाएगी। कुछ सर्विसेज़ ऐसी हो सकती हैं, जो आपस में शेयर की जा सकती हैं। मिसाल के तौर पर टीचर ट्रेंनिग का प्रोग्राम है। एक स्कूल के अध्यापक के लिए भी एक ट्रेनर चाहिए और दस स्कूल के अध्यापक को भी एक ट्रेनर ट्रेंड कर सकता है। सरकारी दफ्तर में बहुत से कामों के लिए चक्कर लगाने पड़ते हैं। हम एक शख़्स की ख़िदमत हासिल कर लें जो सब काम कराए, काम आसान भी होगा, सस्ता भी होगा और समय रहते भी होगा। मालूमात का नेटवर्क बना लें, जो आपस में शेयर की जा सकती है। बहर हाल अपने जैसे इदारों से आपसी सहयोग का मामला रखें और नेटवर्किंग से लाभ और फ़ायदा उठाएं।

●●●

तालीम और तिजारत (व्यापार)

तालीम आज के दौर में एक इण्डस्ट्री बन गई है। तालीमी इदारों से बड़ी-बड़ी आमदनियाँ होने लगी हैं। तालीमी इदारों की शानदार इमारतें, वहाँ मिली हुई आसानियां और इनमें मंजूर शुदा कोर्सेज़ की मुनासिबत से फ़ीस निर्धारित होती है। यह फ़ीस अब लाखों में चली गई है। ख़ैर यह तो बहुत बड़े प्रोफ़ेशनल कोर्सेज़ के इदारों का हाल है। जो स्कूल मौहल्ले और शहरों में हैं, वे भी अच्छी आमदनी कर रहे हैं। अगर तालीमी मेयार अच्छा है, स्कूल की इमारत मुनासिब है और आप बाअख़लाक़ हैं तो आप बच्चों की तालीम का काम करके ख़िदमत भी कर सकते हैं और घर भी चला सकते हैं, इज़्ज़त भी कमा सकते हैं।

इस मैदान में भी हमारे भाई हमसे बहुत आगे हैं। हम लोग तो मुख़तलिफ़ क़िस्म के ख़ानों में तक़्सीम होकर अपनी ताक़त का शीराज़ा बिखेर रहे हैं। कहीं हमारे इदारे ज़ात और बिरादरी की असबियत का शिकार हैं तो कहीं मसलकी फ़िरक़ा बन्दी के शिकार हैं। मज़े की बात यह है कि हम ग़ैर मुस्लिम इदारों की न ज़ात देखते हैं और न मसलक। वहाँ सब कुछ बर्दाश्त करते हैं या नज़र अंदाज करते हैं। ख़ैर मैं यह अर्ज़ कर रहा था कि स्कूल बजाए ख़ुद एक अच्छा बिज़निस है। हमारे समझदार, तालीमयाफ़ता और धन वाले लोग अगर इस जानिब मुतवज्जह हों और एक ग्रुप बनाकर ख़ालिस कमर्शियल अपरोच के साथ भी स्कूल चलाएँ तो उससे दो फ़ायदे ज़रूर होंगे। एक फ़ायदा तो यह होगा कि हमारे मुस्लिम बच्चे कम से कम एक ऐसे स्कूल में तालीम हासिल करेंगे, जिसका मालिक मुसलमान होगा, बहरहाल इनका ईमान महफ़ूज़ रहेगा। दूसरा फ़ायदा यह होगा कि स्कूल के मालिकान ख़ुशहाल होंगे और चूँकी उनका भी मज़हब इस्लाम है तो मुसलमानों का ही भला

होगा। बस ज़रूरत इस बात की है कि स्कूल ज़रूरी और बुनियादी तक़ाज़ो के साथ खोला जाए और तालीमी उसूलों की सख्ती से पाबन्दी की जाए। तीन चार साल इनवेस्टमेंट के बाद इंशाअल्लाह आमदनी शुरु हो जाएगी। इसको एक मिसाल से वाज़ेह किया जा सकता है।

हम पाँच लोग हैं और तालीम की समझ रखते हैं। हम मिल्लत की तालीमी पिछड़ेपन को भी समझते हैं। हमारे अन्दर क़ौमी दर्द भी है और हमारे पास कुछ सरमाया भी है। अब हमने एक सोसायटी बनाई, इसका रजिस्ट्रेशन कराया। सारो लोगों ने दस दस लाख जमा किए, कुल 50 लाख का सरमाया इकट्ठा हो गया। शहरी इलाक़ों में एक हज़ार गज़ जगह में भी मेडिल स्कूल तक की मंज़ूरी मिल जाती है। 20 या 25 लाख की मुनासिब जगह .ख़रीद कर उसको ज़रूरत के मुताबिक़ तालीम के लिए तैयार किया जाए। सब्र के साथ पाँच साल तक इसकी आमदनी को इसमें लगाते रहें। पाँच साल बाद स्कूल से मुनासिब आमदनी होगी। एक क्लास में 30 बच्चे हों और हर बच्चे से 300 रु0 फ़ीस वसूल करें तो 9000 रु0 होते हैं। एक शिक्षक का वेतन 5000 रु0 हो तो फ़ी क्लास 4000 रु0 बच सकते हैं। यह तो बहुत छोटे शहरों बल्कि देहात का मामला है। मुरादाबाद, रामपुर, बदायूँ और मेरठ जैसे शहरों में 2000 रु0 फ़ीस देने वाले लोग भी रहते हैं। हमारा मसला यह है कि हम शेयर बिजनेस नहीं करते, क्योंकि हमारे अन्दर अखलाक़ी गिरावट इस क़द्र है कि हम अपने आप पर भी यक़ीन करने को तैयार नहीं हैं, जबकि आज का दौर सरमायकारी का दौर है। अब किसी भी काम के लिए बड़े सरमाए की ज़रूरत होती है। ज़्यादा सरमाया हमारे पास है नहीं, मिलकर हम काम कर नहीं सकते। इसलिए अपनी डेढ़ ईट की मस्जिद मदरसा बनाकर खड़ा कर देते हैं, जिससे न आप का भला होता है और न क़ौम का। आज ज़रा अपनी बस्ती और शहर के उन स्कूलों का जायज़ा लेकर देख लीजिए जो हमारे दूसरे भाई चलाते हैं और फिर अपने मदारिस और स्कूलों का जायज़ा लीजिए कम से कम

साथ हरने वाले लोगों से ही कुछ सीख लीजिए, मगर हम इनसे कहाँ सीखेंगे। क्योंकि हमारी नसहीत ने हमें समझा दिया है कि यह काफ़िर हैं, गन्दे हैं, जहन्नमी हैं।

ऊपर की बात चीत तो सीधे तौर पर स्कूल खोलने के बिजनेस से जुड़ी है, यानी जबकि आप ख़ुद स्कूल क़ायम करें। मैं आपकी तवज्जोह कुछ ऐसे कामों की तरफ़ ले जाना चाहता हूँ कि अगर क़ौम इस पर तवज्जोह करे तो तब्दीली आ सकती है। मेरा मश्वरा है कि आप हर वह काम कीजिए, जिसका तालीम, इल्म, स्कूल, कॉलेज से ताल्लुक़ हो। मिसाल के तौर पर अगर आप बढ़ई हैं तो स्कूल का फ़र्नीचर बनाएं, आप अगर टेलर हैं तो स्कूल यूनिफॉर्म का काम कीजिए। आप अगर राज मिस्त्री हैं तो स्कूल की इमारत तामीर कीजिए, आप अगर नाई हैं तो स्कूल व कॉलेज के पास अपनी दुकान खोलें ताकि शिक्षक से सम्पर्क में रहें। आप अगर पेन्टर हैं तो स्कूल का काम पकड़िए। आप कम्प्यूटर के मैदान में कुछ कर सकते हैं तो स्कूलो में जाकर काम कीजिए। आप ड्राइवर हैं तो स्कूल का ट्रांसपोर्ट सभालें, आप स्कूल की किताबें बेचा कीजिए, आप स्टेश्नरी बैचें, आप अगर माली हैं तो स्कूल कॉलेज में गार्डनिंग कीजिए। आप स्कूल क्लर्क बनें, चपरासी, .ख़ादिम और गेटकीपर बनें। मैं चाहता हूँ कि आप कोई ऐसा काम करें, जिससे आपका ताल्लुक़ किसी न किसी सूरत में स्कूल से जुड़ जाए। आप वहाँ आने जाने लगें, आप वहाँ कमेटी और अध्यापक से सम्पर्क करें, छात्र को देखें, इससे आपके अन्दर भी तालीम का शौक़ पैदा होगा, आपके अन्दर भी ख़्वाहिश जागेगी, आप भी चाहेगें कि आपका बच्चा पढ़ता, आप न पढ़ सके हों लेकिन इससे उम्मीद है कि आपकी नस्लें पढ़ेंगी और तब्दीली आएगी।

आप तलीम और इल्म से मुताल्लिक़ जो भी काम करें, जिनका ज़िक्र ऊपर किया गया है और भी कुछ काम हो सकते हैं। उनमें महारत पैदा करें, तिजारत की ट्रेनिंग लें। मिसाल के तौर पर हमारे बीच

दस लोग ऐसे हैं, जो फर्नीचर का काम करते हैं, मगर सब की सलाहियत एक सी नहीं है। बस जो हममें से ज़्यादा होशियार हैं, वह बाक़ी साथियों को माहिर बनाए। हम मिलकर काम करें, एक दूसरे के साथ तजुर्बात बयान करें, एक दूसरे की रहनुमाई करें। अगर आप मुनासिब दाम पर अच्छा फर्नीचर वक़्त पर मुहैया कराएंगे तो आप देखेंगे कि इलाक़े के सभी तालीमी इदारे आपसे सम्पर्क बनाएंगे और इसी बहाने आपका तालीमी इदारों से सिलसिला क़ायम होगा।

मशवरे और मिल जुलकर काम करने में भलाई भी है और बरकत भी लेकिन मिल जुलकर काम करने के लिए कुछ अख़्लाक़ी ख़ूबी की ज़रूरत है।

●●●

हौसला और साहस बढ़ाना

कामों में तेज़ी लाने और उसको और ज़्यादा बेहतर ढंग से अंजाम देने के जज़्बे को बढ़ाने में हौसला और साहस बढ़ाने का अहम रोल है। आपने किसी को देखा कि उसने रास्ते से कोई पत्थर, लकड़ी या काँटा उठाकर एक तरफ़ फेंक दिया, आपने उसकी तारीफ़ की, उसकी कमर थपथपाई, जज़ाकल्लाह यानी अल्लाह आप का बदला दे कह दिया तो आप देखेंगे कि उसका भी हौसला बढ़ेगा और दूसरे तमाशा देखने वालों के अन्दर हौसला भी पैदा होगा। बच्चे ने सबक़ अच्छा सुनाया, होमवर्क अच्छे से किया, आपने Good कह दिया या लिख दिया तो उसके अन्दर और ज़्यादा हौसला पैदा होगा।

प्रशंसा, तारीफ़ और हौसला अफ़ज़ाई करना बहुत बड़ी ख़ूबी है और इसका अंजाम बहुत अच्छा है। आज हमारे अन्दर यह कमज़ोरी है कि हम अपने लोगों की हौसला अफ़ज़ाई नहीं करते, बल्कि चार ऐब तालाश करते हैं, आलोचना करते हैं, हौसला तौड़ देते हैं। यह रवैया क़ौम के लिए ख़तरनाक ज़हर है। नबी करीम[स0] लोगों की हौसला अफ़ज़ाई फ़रमाते, उन्हें इनामात देते, सम्मान से नवाज़ते, उनके लिए अच्छी दुआ करते थे, इसलिए आपके साथी आगे बढ़ते चले गए।

समाज में अच्छा काम करने वाले लोग हैं। हमें उनकी हौसला अफ़ज़ाई करना चाहिए, उन्होंने कोई बड़ा काम किया है तो उनके लिए प्रोग्राम आयोजित करना चाहिए। उनके गले में फूलों का हार डालना चाहिए। एक शाल उढ़ाकर उनकी इज़्ज़त अफ़ज़ाई करना चाहिए। इससे उस शख़्स को तो हौसला मिलेगा ही दूसरे लोगों में भी जज़्बा पैदा होगा।

समाज के बड़ों की ज़िम्मेदारी है कि वे छोटों की हौसला अफ़ज़ाई करें, उनका समर्थन करें, उनके कामों को सराहें ताकि वो आगे बढ़ते जाएँ और हिम्मत न हारें। हौसला अफ़ज़ाई के दो बोल दिन भर की थकान दूर करने के लिए काफ़ी हैं। खाने की तारीफ़ सुनकर ही बावर्ची का पेट भर जाता है।

क़ौम का एक बड़ा मसला यह है कि लीडर के साथ इदारा ख़त्म हो जाता है। बड़ी-बड़ी अन्जुमनें ख़त्म हो गईं, बड़े-बड़े इदारे सिर्फ़ इस वजह से बैठ गए कि उनको चलाने वाले जब चले गए तो अपने बाद ऐसे लोगों को छोड़कर नहीं गए, जो इदारा चला सकें। यह संकट सिर्फ़ इस वजह से पैदा होता है कि हम अपनी मौजूदगी में अपने साथियों की हौसला अफ़ज़ाई करके उन्हें आगे नहीं बढ़ाते। हौसला अफ़ज़ाई और प्रशंसा की जाए तो यह जगह भर सकता है। और हम दूसरी लाइन की लीडरशिप अपने सामने ही तैयार कर सकते हैं, जिससे हमारे इदारे उसके संस्थापक या लीडर के दुनिया से चले जाने के बाद भी उसी तेज़ी से चलाए जा सकते हैं।

●●●

दिखावा

ख़ुदनुमाई (दिखावा) एक बुरी ख़ुबी है। ख़ुद को नुमायां करना, अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना है। हम देखते हैं कि बहुत से लोग कुछ नहीं करते, समाज की तामीर में उनका कोई हिस्सा नहीं है, लेकिन हर स्टेज पर जलवागर हैं, उनको ऐवार्ड दिए जा रहे हैं और कितने ही लोग हैं, जो बहुत काम कर रहे हैं। बड़ी सलाहियतों के मालिक हैं लेकिन अन्धेरे ग़ार में हैं। उनको कोई जानता तक नहीं है। मुस्लिम क़ौम में ख़ुदनुमाई की सिफ़त बहुत आम हो गई है। हर शख़्स स्टेज शेयर करना चाहता है। अपने मुँह से ओहदे तलब किए जाते हैं , दुनिया तलबी के लिए साज़िशें रची जाती हैं। इसलिए ख़ुदनुमाई से बचना चाहिए, परन्तु जो लोग वाक़ई काम कर रहे हैं उनको आगे लाना चाहिए, उनका परिचय कराना चाहिए और उनके कामों का एतराफ़ करना चाहिए।

●●●

सरकारी स्कीमें

बच्चों की बुनियादी तालीम का नज़्म करना सरकार के फ़राइज़ में शामिल है। सरकार ने इस तरफ़ बहुत तवज्जोह की है। इसलिए आप हर दस किलोमीटर के दायरे में एक प्राइमरी स्कूल देखेंगे। इस के अलावा भी सरकारों ने आर टी ई एक्ट के तहत बहुत सी स्कीमें फ़नाफ़िज़ की हैं। अक़ल्लियतों के लिए MSDP के तहत उन ज़िलों और ब्लॉक में जहाँ मुस्लिम आबादी 25% है, .ख़ुसूसी स्कीमें चलाई हैं। अक़ल्लियतों की तालीम के लिए भी फण्ड रिज़र्व किया गया है। अक़ल्लियती तालीमी इदारे भी क़ायम हैं और कुछ मुस्लिम इदारों को अक़ल्लियती किरदार का दर्जा भी दिया है। अक़ल्लियतों के लिए मुफ्त तालीम का बन्दोबस्त किया है और स्कॉलरशिप का भी। यह अमल राज्यों और मर्कज़ हर दो सतह पर किया गया है। बाक़ायदा अक़ल्लियती वज़ारतें क़ायम हैं। करोड़ों अरबों रुपये का सालाना बजट इसके लिए होता है, मगर हम देखते हैं कि तब्दीली वाक़ई नहीं होती। इसकी दो वजह हैं।

(1) हुकूमत सन्जीदा नहीं हैं। वह बजट बनाती है, मन्सूबे बनाती है, लेकिन उनका लागू किस हद तक हो उसका एहतिसाब व मानिटरिंग नहीं करती। मानिटरिंग का निज़ाम या तो है नहीं, अगर है तो बहुत ढीला है। फिर उसका हुसूल बहुत पेचीदा होता है, हर शख़्स की इस बजट तक रसाई नहीं। रिश्वत .ख़ोरी और काला बाज़ारी की नज़र बजट का एक बड़ा हिस्सा हो जाता है, इसलिए सरकारी सुविधाओं का फ़ायदा नहीं होता। हुकूमतें बदलती हैं, उनकी अपनी प्राथमिकता है। हमारे मुल्क में वोट बैंक की सियासत ने देश को बहुत पीछे ढकेल दिया है। हर सरकार .ख़ूबसूरत नारों और ढेर सारे वादों के

साथ आती है लेकिन पूरी अवधि पिछली सरकारों पर आलोचना करने और आइन्दा अपनी हुकूमत की मंसूबा बन्दी में गुज़ार देती है। जिस राज्य की सरकार संजीदा होती है, कुछ करना चाहती है, वहाँ उसके नतीजे भी देखे जा सकते हैं। अभी नए राज्य तेलंगाना की मिसाल दी जा सकती है, जहाँ उसने अक़ल्लियती इदारों पर तवज्जोह दी, उनको फण्ड फ़राहम किया, उनकी मानिटरिंग की तो वहाँ नतीजे भी बहुत अच्छे आए। एक अक़ल्लियत इक़ामती स्कूल के छः बच्चे अमेरिका (नासा) की काँन्फ्रेन्स में गए और उन्होंने वहाँ अपनी चीज़ें पेश की। राज्य, देश और क़ौम का नाम रौशन किया। हुकूमत, हुकूमत होती है वो चाहे तो क्या नहीं हो सकता।

(2) हमारी क़ौम सरकारी सुवाधाओं से इस्तिफ़ादा करना नहीं जानती। बेश्तर सरकारी स्कीमों का हमें इल्म ही नहीं। इल्म हो जाए तो उसको हासिल करने का हौसला नहीं। दफ्तरों के चक्कर काटने में ही थक जाते हैं। आफ़िस में बाबू से बात करते हुए घबराते हैं। बस चाहते हैं कि कोई हमारे मुहँ में लुक़मा बनाकर डाल दे। फिर हमारे बीच ऐसे लोग नहीं, जो इस तरह के काम करें। जहाँ के ग्राम प्रधान मुसलमान हैं या शहर के चेयरमेन मुसलमान हैं, वहाँ भी इसका कोई नज़्म नहीं। और नज़्म कैसे हो चेयरमैन और प्रधान जी को कमीशन खाने से छुट्टी ही कब है? अगर दो चार लोग हर बस्ती और शहर में इस काम को करें और सरकारी स्कीमों को मालूम करके उन्हें हक़दार तक पहुचाएँ तो बहुत से मसाइल हल हो सकते हैं और बड़ी तब्दीली लाई जा सकती है।

●●●

लोकतंत्र व शिक्षा

हिन्दुस्तान एक लोकतांत्रिक देश है, यहाँ हज़ारों जुबान बोलने वाले, दर्जनो मज़हब के मानने वाले, सैकड़ों क़िस्म की रस्मों को अदा करने वाले लोग रहते हैं। देश का संविधान हर शख़्स के बुनियादी हुक़ूक़ का पाबन्द है।

जम्हूरियत और लोकतंत्र में हर शख़्स को आगे बढ़ने के मौक़े हासिल होते हैं। ये मौक़े ग़ैर जम्हूरी सिसटम में हमें हासिल नहीं होते। इसलिए जम्हूरी निज़ाम को क़बूल भी करना चाहिए, जम्हूरियत की जड़ों को मज़बूत करना चाहिए, जम्हूरियत की बाक़ी रखने के लिए कोशिश करना चाहिए।

यह देश हमारा अपना देश है। इसको संवारने और बनाने में हमारे पूर्वजों ने बड़ी क़ुरबानियाँ दी हैं। मुल्क के चप्पे-चप्पे पर हमारे ईसार, हमारे इख़्लास और हमारे कारनामों के छाप हैं।

देश की मौहब्बत फ़ितरी है। हम जहाँ रहते हैं, उस इलाक़े और उस घर से हमें मौहब्बत होती है। मौहब्बत का तक़ाज़ा ही हमें उसकी हिफ़ाज़त और उसको और ज़्यादा तरक़्क़ी देने पर है। हमारे जम्हूरी निज़ाम में तालीम हासिल करने के लिए बहुत से अवसर हैं। RTE एक्ट आ जाने के बाद यह अवसर और ज़्यादा बढ़ गए हैं। इस देश की हर चीज़ आपकी है और आपकी हर चीज़ देश के लिए है। देश से यह रिश्ता बहुत ही मज़बूत होगा जब हम देश के क़ानून व नियम का

एहतराम करते हुए इस्तफादा करेंगे और देश की तामीर व तरक़्क़ी में अपना किरदार अदा करेंगे।

लोकतांत्रिक देश में आज भी एक बड़े हिस्से पर आपकी हुक्मरानी है। आप मुस्लिम अकसरियती वाले गाँव, शहरों और क़स्बों में प्रधान और चेयरमैन हैं। आपके पास संवैधानिक इख्तियारात भी हैं, देश के क़ानून भी आपके मददगार हैं। आपकी क़ौम को ज़रूरत भी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की इस ख़ूबी से फ़ायदा उठाएं।

●●●

शिक्षा और वक़्फ़ जायदाद

भारत में हज़ारों वक़्फ़ जायदादें हैं, जिनकी मालियत अरबों रुपये हैं। कुछ जायदादों पर सरकार का क़ब्ज़ा है। कुछ पर दूसरे लोग क़ाबिज़ हैं। कुछ अपनों ने दबा रखी हैं। यह जायदादें मामूली किराए पर हासिल हो सकती हैं। सबसे पहले हमें उन जायदादों का इस्तेमाल करना चाहिए, जो आज़ाद हैं या जिन पर मुसलमानों ने क़ब्ज़ा कर रखा है। उसके बाद दूसरे जायदादों की वागुजारी (आज़ाद कराने) के लिए क़ानूनी कार्रवाई की जाए।

हमारे बुज़ुर्गों ने यह जायदादें मिल्लत की तालीमी और रिफ़ाही ज़रूरत के लिए ही वक़्फ़ की थीं। जहाँ-जहाँ भी वक़्फ़ हैं हमें चाहिए कि उनका इस्तेमाल करें। वक़्फ़ जायदादों के बारे में हम तहसील से भी मालूमात हासिल कर सकते हैं।

वक़्फ़ के अलावा आज भी हमारे बीच ऐसे अहले ख़ैर हज़रात हैं कि वे बड़ी ज़मीनों के मालिक हैं अल्लाह ने उनपर फ़ज़ल फ़रमाया है, वे आगे बढ़ें और मिल्लत की तालीमी ज़रूरत के लिए ज़मीन फ़राहम करें। अपनी बस्ती के प्रभावशाली और तालीमयाफ़ता लोगों की एक कमेटी बनाकर काम का आग़ाज़ करें। बहरहाल जिहालत दूर करने और तालीम का चिराग़ रौशन करने के लिए हर मुमकिन तरीक़ा और ज़रिया इस्तेमाल किया जाए।

●●●

तालीम और बजट साज़ी

तालीम पर ख़र्च करते हुए आज भी हम घबराते हैं, जबकि तालीम आज कारोबार बन गई है। कारोबार में पैसा इन्वेस्ट करते हुए घबराने की ज़रूरत नहीं है और वो भी तालीमी कारोबार में, यह तो वह दौलत है जिसको कोई चोर चुरा नहीं सकता, जो तक़्सीम करने से बढ़ती है, जिसके लिए ज़मीन व आसमान की मखलँक दुआएँ करती हैं। ऐसे कारोबार में नुक़सान का क्या सवाल हो सकता है।

मुस्लिम बच्चों के साथ फ़ीस की अदायगी एक अहम मसला है, जो बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं, जहाँ कोई फ़ीस नहीं दी जाती वहाँ का मामला अलग है। वहाँ कुछ नहीं लिया जाता तो दिया भी नहीं जाता। लेकिन जो बच्चे प्राइवेट स्कूल में तालीम पा रहे हैं वे भी फ़ीस वक़्त पर अदा करने से मजबूर हैं। ऐसा नहीं कि तमाम लोग ग़रीब और बेबस होने के कारण ऐसा नहीं करते बल्कि दरमियानी आमदनी वाले कभी कभी ख़ुशहाल घराने भी अपने बच्चों की फ़ीस वक़्त पर अदा नहीं करते। इसकी वजह तालीम के महत्व और अफ़ादियत का इन्कार है। बेचारे बाप काम पर चले जाते हैं, या बाहर रहते हैं, घर पर अम्मी जान हैं, जो तमाम कामों पर ख़ुशी के साथ पैसा ख़र्च करती हैं लेकिन जब बच्चा फ़ीस का मुतालबा करता है तो कह देती हैं कि अपने पिता से कहना, तेरे अब्बू आएंगे तो देंगे। यह सूरते हाल ख़तरनाक है। इससे बच्चे की तालीम पर बुरा असर पड़ता है। ग़रीब और बीच के ख़ानदानों के 30% से ज़्यादा बच्चे इसी बिना पर तालीम छोड़ देते हैं कि उनकी फ़ीस वक़्त पर अदा नहीं होती और उन्हें स्कूल में ज़िल्लत व रुसवाई बरदाश्त करना पड़ती है। स्कूल फ़ीस की तरह ही ड्रेस, किताबों की फ़राहमी और दूसरी तालीम से सम्बंधित चीज़ों का मसला है। फ़ीस

दी जाती है, युनिफ़ॉर्म भी बनती है लेकिन समय पर न होने के कारण बच्चे तालीम से महरूम रह जाते हैं। समय पर तालीमी ख़र्चे अदा न करने से और भी बहुत से नफ़सियाती मसायल पैदा होते हैं वे अलग हैं।

इस सिलसिले में बजट साज़ी करना चाहिए, बच्चों के तालीमी ख़र्चे का अंदाज़ा करके और अपनी आमदनी को सामने रखकर तालीमी .ख़र्चे के लिए रक़म का इन्तज़ाम करना चाहिए। तालीमी .ख़र्चे को खाने पीने और दवा के बाद प्राथमिकता देना चाहिए। एक बार खाने पीने की रक़म उधार ली जा सकती है लेकिन तालीमी .ख़र्चे समय पर अदा करने चाहिए। यह देखने में मामूली मसला है, मगर नतीजे के लिहाज़ से बहुत अहम है। जो बच्चे फ़ीस वक्त पर अदा नहीं करते वे स्कूल में दूसरे दर्जे के शहरी बनकर रह जाते हैं। जिन बच्चों की फ़ीस वक्त पर अदा होती है वो बग़ैर किसी डर व .ख़तरे के स्कूल जाते हैं, शिक्षक भी उनकी क़द्र करते हैं, वे हौसले से तालीम हासिल करते हैं, उनका रिज़ल्ट भी अच्छा रहता है।

अगर हम चाहते हैं कि क़ौम में तब्दीली आए और हम फिर अपना खोया हुआ असल मक़ाम हासिल करें तो हमें तालीम पर ख़र्च करते हुए घबराना नहीं चाहिए, बल्कि खुशदिली के साथ रौशन मुस्तक़बिल को नज़र में रखकर ख़र्च करना चाहिए। मकान सादा बनाएँ, खाना सादा खाएं, शादी ब्याह सादगी से कीजिए, त्योहार पर कम ख़र्च कीजिए लेकिन तालीम आला और उच्च दिलवाएँ।

●●●

मिल्लत के संसाधन

क़ौम को दस्तयाब वसायल (संसाधनों) का ज़िक्र यूँ तो किताब के मुख्तलिफ़ पृष्ठों पर किया गया है। परन्तु वह अलग-अलग मुक़ामात हैं। यहाँ एक साथ उनका तज़किरा फ़ायदेमंद होगा।

अफ़राद की ताक़त

क़ौम की आबादी अलहम्दुलिल्लाह काफ़ी है, इसलिए अफ़राद की ताक़त भी उचित संख्या में है। लेकिन इन लोगों की ताक़त दो हिस्सों में बटी हुई है। एक बड़ी तादाद बीमारों की है और बहुत कम तादाद डॉक्टरों की है। मेरे कहने का मफ़हूम यह है कि ज़्यादा तादाद उन लोगों की है, जिनके लिए हमें काम करना है। काम करने वालों की तादाद बहुत कम है, लेकिन जितनी भी है वह भी ग़नीमत है। हमें इन अफ़राद की ताक़त से काम लेना है। समाज में डॉक्टर्स, वकील, इन्जीनियर, व्यापारी, शिक्षक, इमाम, उलमा, प्रत्रकार, ब्यूरोक्रेट। ये सब वह अफ़राद की ताक़त है, जिसका इस्तेमाल करके बहुत कुछ किया जा सकता है।

माली व वित्तीय संसाधन

अगरचे क़ौम की एक बड़ी तादाद ग़रीब है, मज़दूर है, और ज़रूरतमन्द है लेकिन एक एक बड़ी तादाद मालदारों की भी है। हर बड़े शहर में दसियों अफ़राद हैं, जिनकी ज़कात लाखों में निकलती है। यह क़ौम का सरमाया ही है, जो हज़ारों मसाजिद और मदारिस का नज्म चला रह हैं। उसमें ज़कात भी है, सदक़ात भी है, लेकिन यह सरमाया मुनज़्ज़म नहीं है। कोई बैतुलमाल नहीं है। अगर हर गाँव और हर शहर में बैतुलमाल हो, उस बस्ती और शहर की ज़कात व सदक़ात वहाँ जमा हों और वहाँ के ज़रूरतमंदों पर ख़र्च कर दी जाएँ तो तस्वीर बदल सकती है।

मसाजिद व मदारिस

मसाजिद व मदारिस हमारा मकानी वसीला यानी भवन संसाधन और सरमाया है। दूसरी क़ौमों के मुक़ाबले हमारे पास मज़हबी इदारों की तादाद ज़्यादा है। अगर उन मसाजिद का इस्तेमाल सही तरीक़े पर किया जाए तो बड़े फ़ायदे हासिल हो सकते हैं। किताब में इस पर अलग से लेख मौजूद है।

औक़ाफ़

औक़ाफ़ की शक्ल में एक बड़ा सरमाया हमारे पास है, उसपर भी बात चीत किताब में मौजूद है।

ईमान

सबसे बड़ा सरमाया आपके पास आपका ईमान है। यह वह ताक़त है, जो किसी के पास नहीं है, मगर इसकी सूझबूझ व जानकारी हमें नहीं है। अल्लाह का हाथ है आपके सर पर, वह क़ादिरे मुतलक़ है। आप ज़रा सा उसकी तरफ़ क़दम तो बढ़ाइए वह दौड़कर आपके पास आएगा। आप उसके हुज़ूर में दो आँसू तो गिराइए वो अपने रहमत के दामन में आपको समेट लेगा। आप उस पर भरोसा करके बेसरो सामान भी निकलें तो वह कामयाब करेगा, मगर निकलना तो पड़ेगा। नहीं निकलेंगे तो मदद केसे की जाएगी :

हर सहारा बे अमल के वास्ते बेकार है,
आँख ही खोले न जब कोई उजाला क्या करे।

●●●

इस वादी-ए-पुरखार (कठिन रास्ते) का राही हूँ में

बदायूँ राष्ट्रीय शोहरत याफ़ता शहर है, इसकी यह शोहरत शेर व शायरी, हुकूमत व दानिशवरी और तसव्वुफ़ की वजह से है। लाखों दर्शक देश व बहारी देश से हर साल यहाँ आते हैं। बदायूँ ज़िला है, सहसवान इसी ज़िले की एक तहसील है। यहीं मैं पैदा हुआ, इसी की आबो हवा में पलकर बड़ा हुआ। तालीम और ख़्वांदगी के ताल्लुक़ से उत्तरी भारत में मुसलमानों की जो परस्थिति है, वही लगभग यहाँ पर भी है, जो कमज़ोरियाँ दूसरी जगहों पर मुसलमानों में हैं, वे सब यहाँ पर भी हैं।

मेरा घर तालीम याफ़ता था, मेरे पिता सरकारी मुलाज़िम थे, बड़ी बहन भी सरकारी मुलाज़िमा हैं। पिता जी और माता जी तालीम की अहमियत से वाक़िफ़ थे, जबकि हमारे क़स्बे में बड़ी तादाद तालीम से दूर थी। पिता जी तो बहुत जल्द इस दुनिया को छोड़कर चले गए, मगर माता जी ने हमारी तालीम पर ख़ुसूसी तवज्जोह दी। घर का माहौल तालीमी होने के कारण हम सब तालीम की तरफ़ न सिर्फ़ यकसूई से राग़िब थे, बल्कि मुसलमानों की जिहालत पर अफ़सोस भी करते थे।

मेरी शुरू की तालीम RSS नज़रियात वाले स्कूल में हुई। मुसलमानों में आम तौर पर RSS के स्कूलों को नीची नज़र से नहीं देखा जाता। वहाँ एक ख़ास तहज़ीब की तालीम दी जाती है, लेकिन वहाँ का डिसिप्लिन और मेयारे तालीम, शिक्षकों का ख़ुलूस पैरवी के योग्य है। अगर घर का माहौल दीनी हो तो RSS के स्कूलों में भी मुसलमान बच्चों को पढ़ने में कोई दुश्वारी नहीं। मुझे एक फ़ायदा वहाँ यह हुआ कि मेरे अन्दर बिरादराने वतन पर बढ़त ले जाने का जज़्बा

पैदा हुआ। और मुसलमानों की तालीम के प्रति नासमझी और बेतवज्जोही पर और ज़्यादा बेचैनी पैदा हुई।

तालीम के बाद अमली दुनिया में क़दम रखते ही मैंने इरादा कर लिया कि मैं क़ौम की जिहालत दूर करने के लिए ज़रूर कोशिश करूँगा। यह इरादा हर दिन मज़बूत होता रहा। मैं ज़ेहन में मन्सूबे बनाता रहा। आख़िरकार अल्लाह ने मुझे तौफ़ीक़ दी और मैंने अपनी बस्ती को अमली मैदान के लिए मुन्तख़ब किया। मेरे साथियों और दोस्तों ने मेरा स्वागत किया, हौसला अफ़ज़ाई की, बुज़ुर्गों से दुआएँ भी मिलीं। एक बड़ी जगह ख़रीदी (जो युनिवर्सिटी के लिए भी काफ़ी है) और नक़्शा बनवाकर स्कूल की तामीर का काम शुरु कर दिया।

21 नवम्बर 2010 ई0 को पूरे भारत से तालीम के मैदान में काम करने वाले लोग, जिनमें बाबा ए तालीम डॉ0 मुमताज़ अहमद ख़ाँ संस्थापक अल-अमीन मूवमेंट, मुस्लिम एजुकेशन सोसाइटी केरला के अध्यक्ष अबू बक्र साहब, ऐडिशनल सालीसिटर जर्नल टी पी एम इब्राहीम ख़ान और पूर्व मर्कज़ी मंत्री सलीम इक़बाल शेरवानी, सम्भल के मेम्बर ऑफ़ पारलियामेन्ट शफ़ीक़ुर्रहमान बर्क़, राष्ट्रीय शोहरत याफ़ता आलिमे दीन जनाब मौलाना मौ0 यूसुफ़ इस्लाही साहब जैसे प्रसिद्ध और अहम अफ़राद ने इस इदारे की बुनियाद रखी। इदारे में तालीमी सरगर्मियों का उदघाटन अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी के वाइस चान्सलर प्रोफ़ेसर अब्दुल अज़ीस और मशहूर दाई मौलाना कलीम सिद्दीक़ी के मुबारक हाथ से 16 जुलाई 2011 ई0 को हुआ।

स्कूल की इमारत जैसे-जैसे ऊपर उठती रही, वैसे-वैसे ही दोस्तों और ख़ैरख़्वाहों की नज़रें बदलती रहीं। अपने पराए होने लगे, दुआएँ देने वाले बदख्वाही करने लगे। मैं बहुत हैरत में था कि यह क्या हो गया है। मैं तो अपनी क़ौम की जिहालत दूर करने के लिए स्कूल बनाना चाहता हूँ और मेरी क़ौम के लोग तरह-तरह से मुझे परेशान कर रहे हैं। मेरा दिल टूटा, मुझे ज़ेहनी तकलीफ़ हुई, मेरी नींद ग़ायब हुई,

मगर मेरा हौसला क़ायम रहा। कुछ नेक दिल अफ़राद ऐसे थे, जो मेरा साथ देते रहे, लेकिन क़ौम की ओर से दिल शिकनी के वाक़िआत मुसलसल जारी रहे। यह तज़किरा मैंने इसलिए किया कि जब आप स्कूल खोलेंगे तो आपके रास्ते में भी यह कांटेदार झाड़ियाँ आएगी और आप ही नहीं हर सुधारक क़ौम के सामने आए और आएगी। इन कठिनाईयों से मुक़ाबला करना है। यह मुक़ाबला समझ बूझ के साथ करना है, सब्र और हौसले के साथ करना है। यह मुखालिफ़तें ज़ुबानी भी होंगी, आरोप भी लगाए जाएंगे, ग़लत फ़हमियाँ भी पैदा की जाएगी, अफ़वाहें उड़ाई जाएंगी और यह मुखालिफ़तें क़लम से भी होंगी। मुख्तलिफ़ महकमों को शिकायती तहरीरें भेजी जाएंगी, क़ानूनी तौर पर भी उलझाया जा सकता है। लेकिन आपको इन सबका होशियारी व हिक्मत के साथ सामना करना है। यह मुखालिफ़तें उन स्कूल वालों की तरफ़ से भी होंगी, जिन पर आपका स्कूल असर अंदाज़ होगा। यह मुखालिफ़तें उन लीडरों की तरफ़ से होंगी, जिनकी लीडरशिप को ढहने का .खतरा होगा। अब अगर दूसरे स्कूलों को मैदान में रहना है तो उन्हें अपना मेयार बुलन्द करना होगा, अगर लीडरों को क़यादत करना है तो कुछ करके दिखाना होगा, वर्ना यह मैदान से आउट हो जाएंगे।

मेरा ख़्याल है इन मुखालिफ़तों से फ़ायदा होगा। एक फ़ायदा तो आपको यह होगा कि आपकी शख़्सियत संवरेगी, आप चौकस और चौकन्ने हो जाएंगे, आपका हर क़दम सोच समझकर उठेगा और इस तरह आप कामयाबी की तरफ़ बढ़ेंगे। दूसरी तरफ़ दूसरे लोग भी आपसे मुक़ाबला करते हुए आगे बढ़ेंगे और वे भी आपका पीछा करते करते काफ़ी आगे आ जाएंगे। यह क़ौम और समाज का बड़ा फ़ायदा होगा।

अल्लाह का शुक्र है कि आज सहसवान में एक तब्दीली महसूस की जा रही है। वहाँ अल-हफ़ीज़ एकेडमी के साथ-साथ दूसरे कई स्कूलों ने ख़ुद को अपग्रेड किया है।

आप इन दुश्वारियों से जब आगे निकल जाएंगे तो कामयाबी आपके क़दम चूमेगी। आपका और इदारे का एक मक़ाम होगा। इस मक़ाम को बाक़ी रखने और क़ायम रखने और ज़्यादा बुलन्दियों को छू लेने की कोशिशें जारी रहना चाहिए। इरादों में खोट न हो, जज़्बा सच्चा हो, मामलात साफ़-सुथरे हों, मक़सद सही हों, लक्ष्य सामने हो तो अल्लाह की मदद भी आती है और उसकी मदद से कामयाबी हासिल हो जाती है।

आज अल-हफ़ीज़ एकेडमी CBSE से मन्ज़ूर शुदा हायर सेकेण्डरी तक है, कल आगे बढ़ेगा। मुखालिफ़ीन आज भी हैं, मगर कम हैं। मैं उन मुखालिफ़ीन से बिल्कुल डरा और सहमा नहीं हूँ, बल्कि उनसे हौसला हासिल करता हूँ। शायर का शेर :

मुखालिफ़त से मेरी शख़्सियत संवरती है
मैं दुश्मनों का बड़ा एहतराम करता हूँ।

●●●

इदारे के ज़रूरी अनासिर (तत्व)

प्राइमरी से लेकर युनिवर्सिटी तक के इदारे तालीमी इदारों में शुमार होते हैं। एक मकतब जहाँ सिर्फ़ नाज़िरा पढ़ाया जाता है, वह भी तालीमी इदारा है। स्कूल, कॉलेज, डिग्री कॉलेज, प्रोफेशनल कॉलेज भी तालीमी इदारे हैं और युनिवर्सिटी भी तालीमी इदारा है। क़ौम की ज़रूरत सब है लेकिन क़ौम की तरजीही ज़रूरत प्राइमरी से इण्टर मिडिएट तक के तालीमी इदारे हैं। इस मज़मून (विषय) में जो अनासिरे तरकीबी बताए अस्ल में इस तरजीही ज़रूरत को सामने रखकर तरतीब दिए गए हैं। इससे यह न समझ लिया जाए कि युनिवर्सिटी के क़याम की ज़रूरत नहीं है। इदारे के अनासरे तरकीबे ये हैं:

मुखलिस कारकुन

कारकुनों यानी कार्यकर्ताओं में ये ख़ूबी होनी चाहिए :

- इदारे और इसके मक़सद से गहरा लगाव और उसकी तामीर व तरक़्क़ी के लिए नई राहें निकालने और विरोध पर क़ाबु पाने का पक्का इरादा।
- तदरीस और तर्बियत की अहलियत।
- अपनी इल्मी लियाक़त और तदरीसी सलाहियत बढ़ाने की फ़िक्र।
- तलबा को पूरा फ़ायदा पहुँचाने की आरज़ू।
- बच्चों से फ़ितरी लगाव, हमदर्दी और शफ़क़त का जज़्बा।
- इदारे के उसूल व नियम और वक़्त की पाबन्दी।
- तलबा के सामने आला अख़लाक़ी नमूना और मेयारी सीरत व किरदार का मुज़ाहिरा।

- साथी कारकुनों और ज़िम्मेदारों से सहयोग का जज़्बा व सलीक़ा और टीमवर्क की सलाहियत।
- ज़िम्मेदारी का एहसास और लगन के साथ अपने कर्तव्य को अंजाम देने की कोशिश।
- छात्र की तालीम व तर्बियत और माहौल की इस्लाह में उनके सरपरस्तों का सहयोग हासिल करने की फ़िक्र।
- इदारे की ज़रूरत व लाभ, पब्लिक पर वाज़ेह और स्पष्ट करने की सलाहियत।

सोसाइटी या ट्रस्ट

इदारों के क़याम के लिए रजिस्टर्ड सोसाइटी या ट्रस्ट की ज़रूरत होती है। जिसके तहत वह इदारा क़ायम होता है, उस इदारे की ज़मीन की रजिस्ट्री भी उसी के नाम होती है। इसलिए सबसे पहले इदारा बनाने वालों को अपनी कोई सोसाइटी या ट्रस्ट रजिस्टर्ड करा लेना चाहिए। अगर आप अपना ज़ाति इदारा बना रहें हैं तो फ़ैमली ट्रस्ट बना लें और उसे रजिस्टर्ड करा लें और 12A,80-G-&-FCRA को हासिल करने की कोशिश की जाए।

जगह का तअय्युन (निर्धारण)

जगह बहुत महंगी न हो भले ही दूर या सड़क से पीछे हो, आप इदारा बना रहे हैं कोई मारकीट नहीं बना रहे हैं। महंगी जगह में बड़ा पैसा ज़मीन में ख़र्च हो जाएगा तो तामीर में परेशानी आएगी। इसलिए ज़मीन जिस क़द्र सस्ती मिल सके अच्छा है। बाक़ी पैसा तामीर में काम आएगा।

जगह तक पहुँचना आसान हो, रास्ता चौड़ा हो, उसके क़रीब तक बस जा सके, कार वग़ैरह का इदारे में जाना आना मुमकिन हो।

बिज़निस प्लान

इदारे का बिज़निस प्लान तैयार किया जाए। जिसमें बजट, आमदनी के ज़राए (साधन), .ख़र्चों की क़िस्में दर्ज हों। इदारे के मेयार के मुताबिक़ बिज़निस प्लान हो, मिसाल के तौर पर आपने तय किया कि आप जो अध्यापक रखेंगे उनका वेतन 50 हज़ार रुपये होगा तो आप उसी तरह के अध्यापक तलाश करेंगे। 5 हज़ार या दस हज़ार का नहीं तलाश करेंगे। बिज़निस प्लान से यह मालूम रहता है कि कब कब और कितनी रक़म की ज़रूरत होगी और कब और कितनी रक़म वापस होगी। बिज़निस प्लान शेयर होल्डरों को मुत्मइन करने और बेहतर तालमेल रखने में मददगार होता है। यह बिज़निस प्लान कम से कम दस साल का बनाया जाए।

इन्फ्रा स्ट्रक्चर

ज़मीन को हासिल कर लेने के बाद इसकी बाउन्ड्री कराएँ, एक बड़ा और अच्छा गेट तामीर करें। अगर ज़मीन बड़ी है तो सामने की बाउन्ड्री करा लें बाक़ी में तार से घेर लें, गेट के पास गेटकीपर का रूम तामीर कर लें, फ्रन्ट पर बिल्डिंग ज़रूरत के मुताबिक़ तामीर करें। रास्ता अच्छा करलें, बाक़ी हिस्से में फूल और पेड़ वग़ैरह इस तरह लगाएँ कि आइन्दा उन्हें काटने की ज़रूरत न पड़े।

इमारत का नक़्शा

ज़मीन की .ख़रीदारी के बाद इदारे का एक नक़्शा बनवाएँ, नक़्शा ऐसे आर्किटेक्ट से बनवाएँ जो स्कूलों के नक़्शे बनाने का तजुर्बा रखता हो। नक़्शे पर खूब ग़ौर कर लिया जाए। नक़्शे में हर चीज़ का ख़्याल रखा जाए। पार्क, बच्चों के लिए खेल, झूले वग़ैरह, बड़े पेड़, पानी, बिजली, सिवरेज वग़ैरह, नक़्शे बनाने में अच्छे ख़ासे पैसे ख़र्च होंगे, शुरू में गिराँ और भारी गुज़रेंगे, लेकिन आगे बहुत काम देंगे और बड़े नुक़सानात से आप महफ़ूज़ रहेंगे। इसलिए पैसों की फ़िक्र न करें

मुस्तक़बिल के मंसूबे सामने रखकर एक बार ही मुकम्मल नक़्शा बनवा लें, ताकि आइन्दा आप सुहूलत, आसानी और ज़रूरत नक़्शे के मुताबिक़ काम करते रहें।

तामीरी मरहले

तामीरात एक साथ नहीं होती ज़रूरत के मुताबिक़ क्लास रूम बनते हैं। पहले मरहले में जिन चीज़ों की ज़रूरत है, उनकी तामीर करा ली जाए मिसाल के तौर पर दफ़्तर, स्टाफ़ रूम, क्लास रूम, कॉमन हॉल बराए प्रोग्राम खुला सिनेमा हॉल बना लिया जाए क्योंकि इन चीज़ों की पहले दिन से ही ज़रूरत पेश आएगी। तामीर करते वक़्त इस बात का भी .ख़्याल रखा जाए कि आइन्दा और तामीर व निर्माण का काम शुरू हो तो मौजूदा बिल्डिंग व स्कूल तक़्सीम न हो।

भविष्य की सर्विसेज़

मुस्तक़बिल में जो सर्विसेज़ आप देने वाले हैं, उनका प्लान भी कर लें, मिसाल के तौर पर जेनरेटर और लिफ्ट वग़ैरह। इन सब चीज़ों को भी अपने मन्सूबे में शामिल कर लें, ताकि नक़्शा बनाते वक़्त इनका ख़्याल रखा जाए।

अध्यापक की फ़राहमी

छोटे शहरों में अच्छे अध्यापक नहीं मिल पाते और बड़े शहरों के लोग वहाँ आना जाना नहीं चाहते। इसके लिए ज़रूरी है कि अधापक के लिए रहने की जगह, जिसमें हर चीज़ की सुहूलियत हो स्कूल में ही तामीर की जाए, उनके लिए बेहतरीन क़याम का नज़्म किया जाए ताकि वे आसानी के साथ वहाँ रह सकें।

ट्रांसपोर्ट

बच्चों को स्कूल तक लाने और ले जाने का अच्छा नज़्म हो ताकि दूर दराज़ के बच्चे भी इस्तिफ़ादा कर सकें, ट्रांसपोर्ट मेयारी हो,

बच्चा इसमें महफ़ूज़ हो, क़ानूनी काग़ज़ात भी मुकम्मल हों, ड्राईवर का पब्लिक लाइसेंस हो और तजुर्बेकार हो, ट्रांसपोर्ट की आसानियाँ पहले ही दिन से हो।

नज़्म व ज़ब्त (अनुशासन)

- इदारे का नज़्म व ज़ब्त (अनुशासान) अच्छा हो।
- अध्यापकों के आपसी ताल्लुक़ात अच्छे हों और वह आपस में और प्रिन्सिपल से पूरा सहयोग करें।
- छात्र और शिक्षक के ताल्लुक़ात ख़ुशगवार हों।
- इदारे के मामूलात की सब लोग पाबन्दी करें।
- इदारे के नियमों और प्रिन्सिपल इन्तिज़ामिया के आदेश का छात्र और अधापक सब पालन करें।
- मुख्तलिफ़ अवसरों के आदाब का पूरा लिहाज़ रखा जाए।

इंतज़ामिया, अध्यापक और छात्र को किसी भी तरह की गुटबाज़ी से दूर रखा जाए।

स्कूल का नाम

स्कूल का नाम सेक्यूलर हो, ख़ालिस मुस्लिम नाम या अरबी के भारी भरकम नाम मुनासिब नहीं हैं। एक तो उन नामों से बिरादराने वतन ख़ौफ खाते हैं और वे अपने बच्चों को नहीं भेजते दूसरे सरकारी दफ्तर में भी तास्सुब का सामना करना पड़ता है। आसान और कॉमन नाम रखा जाए इसलिए कि असल काम है, नाम में क्या रखा है।

तालीमी पॉलिसी का गठन

स्कूल की तालीमी पॉलीसी स्पष्ट हो, साफ़ हो और क़ाबिले अम्ल व क़ाबिले फ़हम यानी जिसे आसानी के साथ समझा और किया जा सके। इलाक़े की ज़रूरत, अपनी ताक़त और देश के हालात को सामने रखकर पॉलीसी बनाई गई हो, इन्तज़ामिया का हर व्यक्ति

पॉलीसी को न सिर्फ़ समझता हो बल्कि दूसरों को समझाने की सलाहियत रखता हो, पॉलीसी से प्रिन्सिपल और स्टाफ़ पूरी तरह वाक़िफ़ भी हों और सहमति भी रखते हों।

मक़सद साफ और स्पष्ट न हो तो हर एक व्यक्ति इदारे को अपने पेशे नज़र मक़सद के लिए इस्तेमाल करने लगता है। लोगों की कोशिशों का रुख मुख्तलिफ़ बल्कि कभी कभी अलग सिमतों में हो जाता है और इस खींचातानी में असल मक़सद ही समाप्त होकर रह जाता है। ज़ाहिर है कि बे-मक़सद इदारा चलाने से वक़्त और ताक़त दोनों के ज़ाए होने के सिवा हासिल क्या होगा?

बोर्ड से मंज़ूरी

इदारे की मंज़ूरी सरकारी सतह पर मंजूर शुदा बोर्डों में से किसी एक से ली जाए, पहले दिन ही बोर्ड का फ़ैसला कर लिया जाए ताकि बाक़ी के काम बोर्ड के उसूलों व नियमों के मुताबिक़ अंजाम दिए जाएँ, मेरी राय यह है कि CBSE बोर्ड ज़्यादा बेहतर है। बाक़ी आप अपने हालात देखकर स्टेट बोर्ड ICSE या इंटरनेशनल बोर्ड का फ़ैसला भी कर सकते हैं।

डाक्युमेन्टेशन

इदारे से मुताल्लिक़ सभी काग़ज़ात की फ़राहमी, उनको हिफ़ाज़त से रखना, समय समय पर रेनीवल कराते रहना डाक्युमेन्टेशन कहलाता है, इस सिलसिले में हमारे इदारे कमज़ोरी दिखाते हैं और इसका भारी नुक़सान उठाते हैं। इदारे के क़याम के साथ ही नम्बर एक में सारी कार्यवाही होना चाहिए। रजिस्टर्ड सोसाइटी के काग़ज़ात, ज़मीन के काग़ज़ात, इदारे की मन्ज़ूरी के लिए फाइल और इससे मुताल्लिक़ मुख्तलिफ़ महकमों से नो आब्जेक्शन सर्टीफ़िकेट वग़ैरह अपने पास हों बल्कि उनकी अलग से एक फ़ोटो स्टेट फाइल भी होना चाहिए ताकि

किसी हादसे में अगर एक फाइल गुम हो तो दूसरी फाइल काम आ सके।

स्कूल का तालीमी बोर्ड

कभी कभी ऐसा होता है कि हम ख़ुद बहुत ज़्यादा तालीम नहीं रखते और इसलिए स्कूल की तालीमी कामों की निगरानी से बेबस रहते हैं, इन हालात में हमें माहिरीने तालीम की ख़िदमत हासिल करनी चाहिए। तीन माहिरीन तालीम पर आधारित एक बोर्ड बनाया जाए, जो ज़रूरत के मुताबिक़ तालीमी देख भाल का काम अंजाम दे, अध्यापक के तक़र्रुर के वक़्त इन्टरव्यू लें और अपनी सिफारिशात इन्तज़ामिया को दें। इससे मेयारे तालीम भी बुलन्द होगा और तालीमी मसायल पर क़ाबू भी रहेगा। जहाँ हम अध्यापक का तक़र्रुर करते हैं वहीं हम तीन माहिरीन तालीम की ख़िदमात भी कुछ रक़म देकर हासिल कर सकते हैं।

नाम के बोर्ड

स्कूल के नाम का बोर्ड गेट पर हो, अन्दर भी इमारत पर नाम लिखा हो, दफ्तर पर मुताल्लिक़ लोगों के नाम और पदों की तख़्तियाँ लगी हों, रहनुमाई के लिए भी बहुत से बोर्ड लगाए जा सकते हैं।

दोस्ताना माहौल

इदारे का माहौल हर सतह पर दोस्ताना हो, इन्तज़ामिया के ताल्लुक़ात .ख़ुशगवार हों, अध्यापक आपस में एक दूसरे के हमदर्द हों, इन्तज़ामिया, प्रिन्सिपल, अध्यापक, बच्चे और दूसरे स्टाफ के रिश्ते मरतबे और हैसियत के एतबार बहुत मज़बूत, हमदर्दी, .ख़ैरख्वाही पर आधारित हों। स्कूल की इमारत कुशादा, हवादार हो, रौशनी का बेहतरीन नज़्म हो, पेड़ मुनासिब हों। यह सारा माहौल मिलकर इदारे के माहौल को अच्छा और .ख़ुशगवार बना रहा हो।

●●●

नज़्म व डिसिप्लिन (अनुशासन)

नज़्म व ज़ब्त और डिसिप्लिन का ताल्लुक़ यूँ तो पूरी ज़िन्दगी से है और पूरी ज़िन्दगी में नज़्म व ज़ब्त का ख़्याल करना चाहिए। जिस क़द्र घर और घर से जुड़े कामों का नज़्म व डिसिप्लिन अच्छा होगा, उसी क़द्र कामयाबी के इमकानात रौशन होंगे। स्कूल और डिसिप्लिन का तो चोली दामन का साथ है। बग़ैर डिसिप्लिन के स्कूल का तसव्वुर भी नहीं किया जा सकता। स्कूल तो वह इदारा है, जहाँ डिसिप्लिन सिखाया जाता है। जहाँ से बच्चा डिसिप्लिन के उसूल व नियम, अहमियत और अफ़ादियत को सीखता है।

स्कूल के डिसिप्लिन में निम्नलिखित बातें ख़ास तौर पर शामिल हैं। इनके बग़ैर ख़ुद डिसिप्लिन का तसव्वुर नहीं किया जा सकता।

वक़्त की पाबन्दी

डिसिप्लिन में सबसे अहम चीज़ वक़्त की पाबन्दी है। वक़्त की अहमियत और इसकी अफ़ादियत से किस को इन्कार है। वक़्त पर स्कूल का खुलना, सफ़ाई, सुथराई, दूसरे काम का वक़्त पर होना, बच्चों और अध्यापक का वक़्त पर पहुँचना, वक़्त पर जनरल हाज़िरी, PTM वग़ैरह का होना, वक़्त पर क्लासेज मे अध्यापक का पहुँचना, वक़्त पर परीक्षा, TEST, नोट्स का इजरा वग़ैरह का होना सब वक़्त की पाबन्दी में शामिल हैं। ज़रा तसव्वुर कीजिए चपरासी वक़्त पर सफ़ाई न करे, अध्यापक वक़्त पर स्कूल न आयें, छात्र वक़्त की पाबन्दी न करें, घंटियाँ वक़्त पर न लगें, परीक्षा वक़्त पर न हों तो क्या हाल होगा।

वक़्त की पाबन्दी डिसिप्लिन के मामले में सबसे अहम और सबसे ज़रूरी चीज़ है। इस ताल्लुक़ से बिलकुल बेतवज्जोही नहीं बरतनी चाहिए। जो लोग भी वक़्त की पाबन्दी न करें, उनकी इस्लाह की कोशिश की जाए और अगर वे अपनी इस्लाह न करें और उनके पास कोई सही बहाना भी न हो तो उन्हें स्कूल से अलग कर देना चाहिए।

आदेश का पालन

डिसिप्लिन के साथ में यह बात भी बहुत अहम और ज़रूरी है कि स्कूल के ताल्लुक़ से जो आदेश दिए जाते हों उनका पालन किया जाए, इनकी अनदेखी न की जाए, अहकामात से नज़रें चुराएंगे और आज्ञा पालन का माहौल नहीं रहेगा तो स्कूल में तालीम का काम अंजाम नहीं पा सकता।

आदेश सरकारी दफ़्तर से आए हों उन पर अमल किया जाए, आदेश इन्तज़ामिया कमेटी की जानिब से प्रिन्सिपल के लिए हों उन पर अमल को यक़ीनी बनाया जाए। प्रिन्सिपल की तरफ़ से स्टाफ़ के लिए हों उस पर अमल किया जाए। इस तरह जो लोग ज़िम्मेदार हैं जब वे अपने मातहत को कोई हुक्म दें तो उस पर अमल होना चाहिए। वर्ना डिसिप्लिन बिगड़ जाएगा।

ज़रा तसव्वुर कीजिए कि आप अगर अपने ज़िम्मेदार की पैरवी व अनुसरण न करें तो आप की पैरवी कौन करेगा। आज्ञापालन का पूरा निज़ाम सही हो। परन्तु अगर कोई हुक्म समझ में न आए या इसके समझने में कन्फ्युज़न पाया जाता हो तो मुताल्लिक़ा ज़िम्मेदार से वज़ाहत हासिल की जाए और जानकारी हो जाने के बाद अमल कर लिया जाए। या कोई हुक्म ना क़ाबिले अमल हो तो इन ज़िम्मेदारों को दलील व तर्क, मौहब्बत, हमदर्दी से समझाया जाए। या कोई हुक्म स्कूल

के मफ़ाद व हित में न हो तो उस पर भी आपस में बात चीत कर लिया जाए। बहरहाल सूरते हाल कोई भी और कैसी भी हो, हुक्मों पर अमल न करने से बदनज़्मी पैदा होगी और बदनज़्मी के साथ कोई स्कूल कामयाबी के बारे में सोच भी नहीं सकता।

मुसलमानों के अन्दर डिसिप्लिन शिकनी यानी अनुशासन तोड़ने की बीमारी आम है। घरों में तो कोई डिसिप्लिन की न ज़रूरत समझता है और न बनाता है। घर के जितने अफ़राद हैं अपनी अपनी मर्ज़ी के मालिक हैं। बाप जो घर की यूनिट का अध्यक्ष है, वह अध्यक्ष ज़रूर है या तो अब्बा जान इतने सख्त हैं कि कोई उनके सामने मुँह नहीं खोल सकता, या वे इतने नर्म हैं कि वे किसी के सामने मुँह नहीं खोल सकते। इन दोनों सूरतों में घर का निज़ाम बिगड़ जाता है और घर बरबादी की तरफ़ चला जाता है, अफ़रातफ़री का माहौल रहता है। घर के अध्यक्ष यानी बाप और उनकी सेक्रेट्री यानी माँ को चाहिए कि डिसिप्लिन पर तवज्जोह दें, घर के अफ़राद के मशवरे के बाद सबकी जिम्मेदारियाँ, इख़्तियारात, आज़ादियाँ तय हों। इससे घर में बरकत भी होगी, ख़ुशहाली भी होगी और सुकून भी होगा।

अपने फ़राइज व कर्तव्य की अदाएगी

नज़्म व डिसिप्लिन के क़याम में अपने फ़राइज की अदाएगी भी रीढ़ की हड्डी की तरह है। जिस शख़्स की जो ज़िम्मेदारी है वह उसको अदा करे। इन्तज़ामिया कमेटी के अफ़राद, प्रिन्सिपल और अध्यापक, मुख्तलिफ़ डिपार्टमेंट के अध्यक्ष इन सब की अपने अपने दायरेकार में बहुत सी ज़िम्मेदारियाँ हैं। अगर यह ज़िम्मेदारियाँ और फ़राइज़ अदा न करें तो डिसिप्लिन मुतास्सिर होगा और इदारा बद नज़्मी का शिकार होगा।

जवाब दही

जवाब दही का मतलब है कि हर एक को यह एहसास होना चाहिए कि उससे पूछा जाएगा, उसके ऊपर कोई अध्यक्ष, मैनेजर और प्रिन्सिपल वग़ैरह हैं, जो पूछताछ कर सकता है। पूछताछ करने वालों को भी अपनी ज़िम्मेदारियाँ याद करते रहना चाहिए। काम देकर भूल न जाना चाहिए कि इससे लापरवाही पैदा होती है और लापरवाही बदनज़्मी को पैदा करती है। डिसिप्लिन के क़याम में जवाब दही के तसव्वुर को बहुत मज़बूत होना चाहिए।

●●●

दीनी तालीम के बड़े संस्थान

राष्ट्रीय संस्थान

1- दारुल उलूम, देवबन्द, उ0 प्र0
(www.darululoom-deoband.com)

2- दारुल उलूम नदवतुल उलमा, लखनऊ, उ0 प्र0
(www.nadwatululama.org)

3- जामिअतुल फ़लाह, आजमगढ़, उ0 प्र0
(www.jamiatulfalah.org)

4- अलजामिया इस्लामिया शान्तापूरम, केरला
(www.aljamia.net)

5- जामिया सलफ़िया, बनारस, उ0 प्र0
(www.aljamiatussalafiah.org)

6- मज़ाहिरूल उलूम, सहारनपुर, उ0 प्र0
(www.mazahirululoom.org)

7- जामिया अशरफ़िया मुबारकपुर, आज़मगढ़ (यू0 पी0)

8- दारुल उमूर, कर्नाटक

9- जामिया दारुस्सलाम, उमराबाद (तमिलनाडु)

10- इमाम वलीउल्लाह इन्स्टीयूट ऑफ़ इस्लामिक स्टडीज़ नेरल, महाराष्ट्र

11- अलमहदुल आली लिद्दिरासातुल इस्लामिया, लखनऊ, उ0 प्र0

12- अलमहदुल आली लित्तदरीब फ़िल क़ज़ा वल इफ़ता, पटना, बिहार

13- जामिअतुस्सालिहात, रामपुर बराए तालिबात, उ0 प्र0

अंटर्राष्ट्रीय संस्थान

1- अलजामियतुल इस्लामिया मदीना मुनव्वरा, सऊदी अरब (www.islamiconlineuniversity.com)

2- जामियतुल इमाम मुहम्मद बिन सऊद अल इस्लामिया, सऊदी अरब (www.imamu.edu.sa)

3- जामियतुल उम्मुलक़ुरा, सऊदी अरब (www.uqu.edu.sa)

4- जामियतुल मलिक सऊद, सऊदी अरब (www.ksu.edu.sa)

5- जामियतुल अज़हर, मिस्र (www.azhar.edu.eg)

6- जामिया उम्मे दरमान .खरतूम, सूडान (www.oiu.edu.eg)

7- जामियातुल ईमान, यमन (www.jameataleman.org)

8- जामिया क़तर, कतर (www.qu.edu.qa)

9- इंटरनेशनल इस्लामिक युनिवर्सिटी ऑफ़ मलेशिया (www.iium.edu.my)

10- युनिवर्सिटी ऑफ़ मलेशिया (www.um.edu.my)

●●●

मशहूर मुफ्त कोचिंग सेन्टर्स

1- Residential Coaching Academy जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
2- जामिया हमदर्द, हमदर्द स्टडी सेन्टर, नई दिल्ली
3- Residential Coaching Academy अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी, अलीगढ़
4- ज़कात फाउण्डेशन ऑफ़ इण्डिया, अबुल फ़ज़ल एन्कलेव, नई दिल्ली
5- मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी MANNU, कच्ची बावली, हैदराबाद
6- शाहीन सिविल सर्विसेज़ कोचिंग एकेडमी, आर्मस्ट्रांग रोड बेंगलौर
7- हज कमेटी ऑफ़ इण्डिया सिविल सर्विसेज़ एकेडमी, हज हाऊस मुम्बई
8- चैलेन्जर्स एकेडमी सहायता ट्रस्ट, हैदराबाद
9- SSC30 नई दिल्ली
10- NEET 30 नई दिल्ली
11- रहमानी 30 पटना (बिहार)
12- अल-अमीन मिशन क़ोलकाता (पश्चिम बंगाल)
13- उत्तर प्रदेश उर्दू एकेडमी लखनऊ (यूपी)
14- MSIAS एजुकेशन एकेडमी, हैदराबाद

●●●

List of Muslim Managed Universities

CENTRAL UNIVERSITIES

Aligarh Muslim University
Aligarh, U.P. - 202 002.
https://www.amu.ac.in

Jamia Millia Islamia,
Jamia Nagar, New Delhi – 110 025.
https://www.jmi.ac.in

Maulana Azad National Urdu University
Gachibowli, Hyderabad, Telangana
http://www.manuu.ac.in

STATE UNIVERSITIES

Maulana Mazharul Haque Arabic & Persian University
3, Polo Road, Patna 800006
State: Bihar
http://mmhapu.bih.nic.in

Islamic University of Sciences & Technology University
University Avenue, Awantipora Pulwama-192 122 Kashmir
State: Jammu and Kashmir
http://www.islamicuniversity.edu.in

Calicut University
Calicut University P.O. Malappuram District Calicut
State: Kerala - 673 635
http://www.universityofcalicut.info

Khwaja Moinuddin Chishti Urdu, Arabi-Farsi University
Sitapur - Hardoi Bypass Road, Near I.I.M. Lucknow
State: Uttar Pradesh – 226013
http://uafulucknow.ac.in

Aliah University
Kolkata State:West Bengal
http://www.aliah.ac.in

DEEMED UNIVERSITIES:

Jamia Hamdard
Hamdard Nagar, New Delhi-110 062.
http://www.hamdard.edu.pk

Yenepoya
Mangalore, Karnataka
http://www.yenepoya.edu.in

B.S. Abdur Rahman Institute of Science & Technology,
Vandalur, Chennai, Tamil Nadu.
http://www.bsauniv.ac.in/contact-us

Noorul Islam Centre for Higher Education
Kumaracoil, Thuckalay, Dt. Kanyakumari
Tamil Nadu – 629 175.
http://www.niuniv.com

STATE PRIVATE UNIVERSITIES:

Al-Falah University
Faridabad, Haryana
http://alfalahuniversity.edu.in

Maulana Azad University
Village-Buzawad, Tehsil – Luni
Jodhpur – 342802, Rajasthan.
https://www.mauj.ac.in

Era University
Sarfarazganj, Hardoi road
Lucknow-226003, Uttar Pradesh.
http://erauniversity.in

Integral University
Kursi Road, Lucknow-226 026 (U.P)
http://iul.ac.in

Mohammad Ali Jauhar University
Rampur, U.P.
http://www.jauharuniversity.edu.in

The Glocal University
Ali Akbarpur, Mizapur Pole,
Tehsil – Behat, Saharanpur – 247001, Uttar Pradesh
http://www.glocaluniversity.edu.in

●●●

List of Central Universities in India

1.	Jawaharlal Nehru University http://www.jnu.ac.in	Delhi
2.	University of Delhi http://www.du.ac.in	Delhi
3.	Assam University http://www.aus.ac.in	Silchar, Assam
4.	Aligarh Muslim University http://www.amu.ac.in	Aligarh, U.P.
5.	JamiaMilliaIslamia http://www.jmi.ac.in	Delhi
6.	Maulana Azad National Urdu University' Hyderabad, Telangana http://www.manuu.ac.in	
7.	University of Hyderabad, Hyderabad, Telangana http://www.uohyd.ac.in	
8.	Guru Ghasidas University, Bilaspur, Chattisgarh http://www.ggu.ac.in	
9.	Visva-Bharati University, Santiniketan, West Bengal http://www.visvabharati.ac.in	

10. Rajiv Gandhi University, Itanagar
Arunachal Pradesh http://www.rgu.ac.in

11. South Asian University Delhi
http://www.sau.int

12. Tezpur University Tezpur, Assam
http://www.tezu.ernet.in

13. Central University of Gujarat , Gandhi Nagar, Gujarat
http://www.cug.ac.in

14. Central University of Haryana
Mahendragarh, Haryana
http://www.cuh.ac.in

15. Central University of Himachal Pradesh
Dharamsala, H. P.
http://www.cuhimachal.ac.in

16. Central University of Jammu
Jammu, Jammu & Kashmir
http://www.cujammu.ac.in

17. Central University of Kashmir. Srinagar
Jammu and Kashmir
http://www.cukashmir.ac.in

18. Central University of Jharkhand, Ranchi, Jharkhand
http://www.cuj.ac.in

19. Central University of Karnataka, Gulbarga, Karnataka
http://www.cuk.ac.in

20. Central University of Kerala, Kasaragod, Kerala
http://www.cukerala.ac.in

21. Dr. Hari Singh Gour University, Sagar
Madhya Pradesh
http://www.dhsgsu.ac.in

22. Indira Gandhi National Tribal University
Amarkantak, M.P
http://www.igntu.ac.in

23. Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vish.Wardha
Maharashtra
http://www.hindivishwa.org

24. Central Agricultural University Imphal, Manipur
http://www.cau.ac.in

25. Manipur University Imphal, Manipur
http://www.manipurauniv.ac.in

26. North Eastern Hill University Shilang, Mehalaya
http://www.nehu.ac.in

27. Mizoram University Aizawl, Mizoram
http://www.mzu.edu.in

28. Nagaland University Lumami, Nagaland
http://www.nagalanduniversity.ac.in

29. Central University of Orissa, Koraput, Odisha
http://www.cuo.ac.in

30. Pondicherry University, Pondicherry, Puducherry
http://www.pondiuni.edu.in

31. Central University of Punjab, Bathinda, Punjab
http://www.cup.ac.in

32. Central University of Rajasthan , Ajmer, Rajasthan
http://www.curaj.ac.in

33. Sikkim University, Gangtok, Sikkim
http://www.cus.ac.in

34. Central University of Tamil Nadu
Tiruvarur, Tamil Nadu
http://www.cutn.ac.in

35. Indian Maritime University , Chennai, Tamil nadu
http://www.imu.edu.in

36. English and Foreign Languages University, Hyderabad, Telangana
http://www.efluniversity.ac.in

37. Nalanda University, Rajgir, Nalanda, Bihar
http://www.nalandauniv.edu.in

38. Indira Gandhi National Open University Delhi
http://www.ignou.ac.in

39. Tripura University, Agartala, Tripura
http://www.tripurauniv.in

40. Central University of South Bihar Gaya, Bihar
Cusb.ac.in

41. University of Allahabad, Allahabad, U.P.
http://www.allduniv.ac.in

42. Babasaheb Bhimrao Ambedkar Univ, Lucknow, U.P.
http://www.bbau.ac.in

43. Banaras Hindu University, Varanasi, U.P.
http://www.bhu.ac.in

44. Rajiv Gandhi National Aviation Univ, Raebareli, U.P.
http://www.rajivgandhiacademyforaviationtechnology.org

45. Rani Lakshmi Bai Central Agricultural Univ.
Jhansi, U.P.
http://www.rlbcau.ac.in

46. HemwatiNandanBahugunaGarhwal Univ, Srinagar
Uttarakhand
http://www.hnbgu.ac.in

●●●

Famous Institution in India

Engineering & Technology

1. IIT Delhi Hauz Khas, New Delhi, Delhi 110016
   http://www.iitd.ac.in

2. IIT Bombay Powai, Mumbai, Maharashtra
   http://www.iitb.ac.in/

3. IIScBangalore CV Raman Rd, Bengaluru, Karnataka
   http://www.iisc.ac.in/

4. IIT Madras Adyar, Chennai, Tamil Nadu
   https://www.iitm.ac.in/

5. IIT Kanpur Kalyanpur, Kanpur, Uttar Pradesh
   http://www.iitk.ac.in/

6. IIT KharagpurKharagpur, West Bengal- 721302
   http://www.iitkgp.ac.in/

7. IIT Roorkee Roorkee, Uttarakhand
   https://www.iitr.ac.in/

8. IIT Guwahati Amingaon, Guwahati, Assam
   http://www.iitg.ac.in/

9. DU, New Delhi, Delhi -
   http://www.du.ac.in/du/

10. Anna University, Guindy, Chennai, Tamil Nadu
    https://www.annauniv.edu/

Life Science & Medicine

11. IISc Bangalore, CV Raman Rd, Bengaluru, Karnataka
http://www.iisc.ac.in/

12. IIT Bombay Powai, Mumbai, Maharashtra
http://www.iitb.ac.in/

13. IIT Madras Adyar, Chennai, Tamil Nadu
https://www.iitm.ac.in/

14. IIT Delhi HauzKhas, New Delhi, Delhi
http://www.iitd.ac.in/

15. IIT Kanpur Kalyanpur, Kanpur, Uttar Pradesh
http://www.iitk.ac.in/

16. DU New Delhi, Delhi
http://www.du.ac.in/du/

17. Tata Inst. of Fundamental Research, Colaba, Mumbai,
http://www.tifr.res.in/

18. IIT KharagpurKharagpur, West Bengal - 721302
http://www.iitkgp.ac.in/

19. IIT Guwahati Amingaon, Guwahati, Assam
http://www.iitg.ac.in/

19. IIT Roorkee Roorkee, Uttarakhand
https://www.iitr.ac.in/

20. Punjab University Chandigarh, India
http://puchd.ac.in/

●●●

Top Universities in the World

Arts & Humanities & Social science

University of Oxford, - http://www.ox.ac.uk/
University of Cambridge - http://www.cam.ac.uk/
Harvard - http://www.harvard.edu/
London School of Economics and Political Sc.
http://www.lse.ac.uk/
University of California-Berkeley
http://www.berkeley.edu/
Stanford University - https://www.stanford.edu/
Massachusetts Institute of Technology
http://web.mit.edu/

Top Universities in the World for Natural Science

Massachusetts Institute of Technology
http://web.mit.edu/
University of Cambridge - http://www.cam.ac.uk
Harvard - http://www.harvard.edu/
Stanford University - https://www.stanford.edu/
University of Oxford http://www.ox.ac.uk/
University of California-Berkeley
http://www.berkeley.edu/

Top Universities in the World for MBA

University of Chicago - http://www.uchicago.edu/
Harvard - http://www.harvard.edu/
Northwestern University - http://www.northwestern.edu/
University of Pennsylvania- http://www.upenn.edu/
University of Michigan - http://umich.edu/

Top Universities in the World for Engineering

Massachusetts Institute of Technology
http://web.mit.edu
Stanford University - https://www.stanford.edu/
University of California-Berkeley
http://www.berkeley.edu/
California Institute of Technology
http://www.caltech.edu/
University of Illinois at Urbana-Champaig
http://illinois.edu/

Top Universities in the World for Economics

Stanford University - https://www.stanford.edu/
London School of Economics- http://www.lse.ac.uk/
Harvard University - http://www.harvard.edu/
University of Wisconsin-Madison
http://www.wisc.edu/
University of Minnesota - https://twin-cities.umn.edu/

Top Universities in the World for Medicine

Harvard University - http://www.harvard.edu/

University of Cambridge -	http://www.cam.ac.uk
University of Oxford-	http://www.ox.ac.uk/
Stanford University -	https://www.stanford.edu/
Johns Hopkins University -	https://www.jhu.edu/

Top Universities in the World for Journalism

Syracuse University -	https://www.syracuse.edu/
University of Illinois-	http://illinois.edu/
University of Georgia-	http://www.uga.edu/
New York University-	http://www.nyu.edu/
Columbia University -	http://www.columbia.edu/

●●●

मैटिक-पूर्व छात्रवृत्ति

पात्रता :-

माता पिता/अभिभावकों की वार्षिक आय 1 लाख रु0 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

विद्यार्थी मान्यता प्राप्त सरकारी स्कूलों/संस्थानों अथवा निजी स्कूलों/संस्थानों में पढ़ रहे हों।

विद्यार्थी को पिछली परीक्षा में 50% अंक मिले हों।

राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर ऑनलाइन आवेदन करें। एनएसपी का लिंक

http://www.minorityaffairs.gov.in/schemesperformance/scholarship-schemes पर उपलब्ध है। अथवा www.scholarships.gov.in पर जाएं।

योजना के बारे में और विवरण के लिए कृपया इसके दिशा निर्देश और अकसर पूछे जाने वाले प्रश्न

http://www.minorityaffairs.gov.in/schemesperformance/scholarship-schemes पर पढ़ें। किसी समस्या के मामले में अपने राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के नोडल अधिकारी से सम्पर्क करें।

मैटीकोत्तर छात्रवृत्ति

पात्रता :

माता पिता/अभिभावकों की वार्षिक आय 2.00 लाख रु0 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

विद्यार्थी सरकारी स्कूलों/संस्थानों और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों/संस्थानों में पढ़ रहे हों।

विद्यार्थी को पिछली परीक्षा में 50% अंक मिले हों।

राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर ऑनलाइन आवेदन करें। एनएसपी का लिंक
http://www.minorityaffairs.gov.in/schemesperformance/scholarship-schemes पर उपलब्ध है। अथवा www.scholarships.gov.in पर जाएं।
योजना के बारे में और विवरण के लिए कृपया इसके दिशा निर्देश और अकसर पूछे जाने वाले प्रश्न
http://www.minorityaffairs.gov.in/schemesperformance/scholarship-schemes पर पढ़ें। किसी समस्या के मामले में अपने राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के नोडल अधिकारी से सम्पर्क करें।

मेरिट-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति

पात्रता :

माता पिता/अभिभावकों की वार्षिक आय 2.50 लाख रु0 से अधिक नहीं होनी चाहिए।
विद्यार्थी को पिछले बोर्ड/विश्वविद्यालय में अन्तिम परीक्षा में 50% या इससे अधिक अंक मिले हों।
राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर ऑनलाइन आवेदन करें। एनएसपी का लिंक
http://www.minorityaffairs.gov.in/schemesperformance/scholarship-schemes पर उपलब्ध है। अथवा www.scholarships.gov.in पर जाएं।
योजना के बारे में और विवरण के लिए कृपया इसके दिशा निर्देश और अकसर पूछे जाने वाले प्रश्न
http://www.minorityaffairs.gov.in/schemesperformance/scholarship-schemes पर पढ़ें। किसी समस्या के मामले में अपने राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के नोडल अधिकारी से सम्पर्क करें।

पढ़ो परदेस-विदेश में अध्ययन के लिए शैक्षणिक ऋण पर ब्याज सब्सिडी

पात्रता :

विद्यार्थी ने विदेश में स्नातकोत्तर, एम फिल या पीएच डी स्तर पर अनुमोदित पाठ्यक्रम में दाखिला लिया हुआ होना चाहिए।

उसने इस प्रयोजन के लिए भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की शैक्षिक ऋण योजना के अधिन किसी अनुसूचित बैंक से ऋण लिया होना चाहिए।

अभ्यर्थी/परिवार की सभी स्रोतों से कुल आय 6.00 लाख रु0 प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होगी।

अपने पड़ोस में अनुसूचित बैंक से सम्पर्क करें।

विवरण मंत्रालय की वेबसाइट अर्थात www.minorityaffairs.gov.in पर उपलब्ध हैं।

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फैलोशिप (एमएएनएफ)

पात्रता :

माता-पिता/अभिभावकों की बार्षिक आय 6.00 लाख रु0 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

स्नातकोत्तर स्तर पर न्यूनतम 55% अंकों सहित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मानदंड लागू।

एम फिल/पी एच डी के लिए अल्पसंख्यक छात्रों हेतु मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फैलोशिप के लिए सीबीएसई-एनईटी/सीएसआईआर-एनईटी परीक्षा पहले से पास किया जाना अपेक्षित होगा।

जूनियर रिसर्च फेलो (जेआरएफ) और सीनियर रिसर्च फेलो (एसआरएफ) के लिए फैलोशिप की दरें यूजीसी के अनुसार।

वर्ष 2018-19 एवं 2019-20 के लिए फैलोशिप की कुल संख्या 1000 (नई नवीकरण के अतिरिक्त) होंगी।

विस्तृत विवरण के लिए अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की वेबसाइट अर्थात www.minorityaffairs.gov.in और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की वेबसाइट www.ugc.ac.in देखें।

नया सवेरा : अल्पसंख्यक छात्रों के लिए निःशुल्क कोचिंग एवं संबद्ध योजना

नियमित घटक (Regular Component)

व्यवसायिक पाठ्यक्रमों और सरकारी नौकरियों की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए चुने हुए प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में निःशुल्क कोचिंग।

लाभार्थी की वार्षिक पारिवारिक आय 6.00 लाख रु0 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

30% सीटें बालिका छात्राओं के लिए निर्धारित हैं।

आवासीय कोचिंग कार्यक्रम : सिविल सेवा परीक्षाओं की पूरी तैयारी के लिए

1 लाख रु0 प्रति छात्र

समूह 'क' सेवाएं : अधिकतम 50,000/-रु0

समूह 'ख' सेवाएं : अधिकतम 30,000/-रु0

समूह 'ग' सेवाएं : अधिकतम 20,000/-रु0

तकनीकी/व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के लिएप्र प्रवेश परीक्षा : अधिकतम 50,000/-रु0

आवासीय कोचिंग कार्यक्रम को छोड़कर उपर्युक्त सभी के लिए अभ्यर्थियों को 2500/-रु0 प्रति माह की दर से वृत्तिका दी जाती है।

नए घटक

नए घटक : चिकित्सा/इंजिनियरिंग प्रवेश परिक्षाओं की तैयारी के लिए आवासीय कोचिंग कार्यक्रम को पायलट आधार पर आरंभ किया गया

था, अब यह कार्यक्रम अखिल भारतीय स्तर पर है। नए घटक के अंतर्गत दो उप घटक हैं।

नए घटक 1 :

कक्षा XI और XII के विज्ञान के छात्रों के लिए दो वर्षीय कोचिंग/संस्थान को 1,00,000/- रु0 प्रति छात्र प्रति शैक्षणिक वर्ष के अनुसार भुगतान किए जाते हैं।

नए घटक 2 :

विज्ञान विषय के साथ 12 वीं कक्षा पास करने वाले छात्रों के लिए एक वर्षीय कोचिंग। संस्थान को 1,00,000/- रु0 प्रति छात्र प्रति शैक्षणिक वर्ष के अनुसार भुगतान किए जाते हैं।

विवरण मंत्रालय की वेबसाइट अर्थात् www.minorityaffairs.gov.in पर उपलब्ध है।

नई उडान :

संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक परीक्षा पास करने वाले अल्पसंख्यक छात्रों के लिए सहायता।

संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक परीक्षा पास करने वाले अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा की तैयारी करने हेतु वित्तीय सहायता।

अभ्यर्थी को सीधे वित्तीय सहायता प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) मोड के माध्यम से उपलब्ध करवाई जाती है।

पात्रता हेतु सभी स्रोतों से अभ्यर्थियों की कुल पारिवारिक आय 6.00 लाख रु0 प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

अभ्यर्थी वित्तिय सहायता का केवल एक बार लाभ ले सकता है।

योजना के अंतर्गत वास्तविक लक्ष्य 2000 अभ्यर्थी प्रति वर्ष है।
यूपीएससी के लिए वित्तिय सहायता की दर 1,00,000/- रु0 स्टेट पीएससी राजपत्रित पद के लिए 50,000/-रु0 और अराजपत्रित पद के लिए 25,000/-रु0 है।
छात्र नई उडान पोर्टल अर्थात www.naiudaan-moma.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। लिंक www.minorityaffairs.gov.in पर उपलब्ध है।

मौलाना आज़ाद शिक्षा प्रतिष्ठान (एमएईएफ)

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अधीन एक स्वायत निकाय।
अल्पसंख्यकों के लिए निम्नलिखित योजनाएं कार्यान्वित करता है :-
मेधावी छात्राओं के लिए बेगम हज़रत महल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति।
स्कूल भवनों के निर्माण/विस्तार, उपकरणों/फर्निचर की .खरीद, सुधारात्मक कोचिंग आदि हेतु गैर-सरकारी संगठनों को सहायता-अनुदान।
ग़रीब नवाज कौशल विकास योजना-अल्पसंख्यक युवाओं के लिए अल्पावधि रोज़गार उन्मुखी कौशल विकास पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाने हेतु।
योजनाओं के विस्तृत विवरण के लिए वेबसाइट www.maef.nic.in देखें।

●●●

List of Scholarship Schemes

for 10th, 11th, 12th, UG, PG, M-Phil & PhD Courses

Jawaharlal Nehru Fellowship

Purpose- Fellowship scheme for students doing research in M-Tech / PhD
Award- Rs.1,00,000/-
Eligibility- First Class PG degree with minimum 60% marks in aggregate both in Graduation and Post Graduation.
Application Mode - Online
Application Form: http://www.careerafter.com/jawaharlal-nehru-fellowships
Official website: www.jnmf.in

Loreal India - For Young Women in Science Scholarships

Purpose- Scholarship scheme for girls pursuing degree course in science/medical/ engineering/ biotechnology or any other scientific field
Award- Cash Rs 2.5 lakh to each girl
Eligibility- 85% PCM/PCB, family income should be less than 4 lakh per annum
Application Mode - Online, By Post
Apply online: June, July month
Official Link: www.foryoungwomeninscience.com

AICTE Scholarship Scheme for Girl Child

Award- 4000 Scholarships of up to Rs 50000 per year
Purpose-To promote technical education among girls
Eligibility- One girl per family, Class 12 (PCM/B) Passed

Application Mode- By Post, Email
Official Link: www.aicte-india.org

Indian Oil Academic Scholarship for Class 10, 12 passed students

Total- 2600 Scholarships
Award- Rs 1000 per month
Course-10th/12th/ITI, Engineering & MBBS, MBA
Application Mode- Online
Apply online- August, September

LIC India Scholarship Scheme

LIC India providing the scholarship for completing its golden jubilee. Post matric scholarship will be awarded to the students who passed the examination with at least 60% marks in academic and the annual family income, not more than 1 lakh. The online application will be started after publishing board examination result.
Website: www.licindia.in
Central Sector Scheme

SHDF Scholarship Minority Students

Purpose- Scholarship scheme for students pursuing Professional Course like B.Tech, Medical, Nursing, CA etc
Award- Cash Rs 30,000/- per Student
Eligibility- 60% marks in the previous year's / Semester's examination, family income should be less than 1,50,000 per annum
Application Mode - Online
Website: http://www.careerafter.com/shdf-scholarship-sikh-minority-students

G.P. Birla Educational Scholarship Schemes

Award- Rs 50000 per year

Eligibility- 12th passed, 80% + marks in state board, or 85% in central board, or must have secured rank in top 150000 in AIEEE/JEE/AIPMT

Courses- Science, Humanities, Engineering, Medicine, Architecture, Commerce or Law

Application Mode- By post

Apply- June, July

Website: www.gpbirlafoundation.com

Sahu Jain Trust- Loan Scholarship

Purpose- Non Refundable scholarship for pursuing graduation and post graduation

Award- Financial Aid, certificates

Eligibility- Graduation / Post Graduation in Engineering, Medical, MBA

Application Mode- By post

Apply- March to 20th July

Source: http://sahujaintrust.timesofindia.com/: http://www.scholarships.net.in/uploadG/13312-form.pdf

Maulana Azad National Scholarship Scheme for Minority Community Girls

Purpose- Scholarship Schemes for Muslims, Christians, Buddhists, Sikhs, Parsis Girls studying in class 11 & 12

Award- Cash scholarship of Rs 12,000

Eligibility- Class 11th and 12th girls

Application Mode- Online

Last Date to Apply online- 30th September

Source: http://maef.nic.in/

Trust Fund Scholarship Schemes for Disables

Purpose- To provide financial aid to the differently abled students to enable them to pursue higher courses

Award- 2500 scholarships of Rs 25,000 to Rs 30,000 per year and other benefits

Eligibility- Family income should be less than Rs 3 Lakh per year.

Application Mode- Online

Apply- Year long application

Source: www.nhfdc.nic.in/schemes

Swami Vivekananda Scholarship

This scholarship is formally known as 'Merit cum Means' scholarship provided by West Bengal state govt. Students who were passed their last examination with at least 75% marks are eligible for this scholarship. The scholarship amount dependG on the course. For Madhyamik passed students the scholarship amount is 6000/-. From last year the application for this scholarship was started online. Online application for Swami Vivekananda Scholarship scheme will start from June 2017. The minimum family annual income must not exceed 80,000/- for receiving this scholarship.

Website : http://mcmscholarship.wb.gov.in

IOCL Scholarship scheme

Indian Oil Corporation Ltd. distribute 2600 post matric scholarships for Indian students. Students studying with 10+ITI, MBBS, MBA, Engineering are eligible for this scholarship. For getting this scholarship candidate must be passed his/her last examination with 65% marks. The scholarship application will be done through online. Online application process starts from June. After apply online

students have to send a hard copy with credentials through the post to the authority. The scholarship amount per year is 12000/- or more, Website: www.iocl.com

Priyamvada Birla Scholarship Scheme

This scholarship will be only for West Bengal students. Priyamvada Birla Scholarship providing by South point school, Kolkata. Students with more than 60% marks on Higher Secondary (10+2) examination and take admission on any graduation course on West Bengal, are eligible for this scholarship. Download the application form and send it to the mentioned address. The application process starts from June to July.The annual family income, not more than ?75,000/- applying for this scholarship.
Website : http://pbs.southpoint.edu.in

Sitaram Jindal Scholarship Programme

Sitaram Jindal Foundation providing post matric scholarship for students who are studying on Higher Secondary, Graduation Degree, Engine+ering, MBA, MBBS etc. For applying these scholarship students must have to score 75% on the last examination. The application is done through the offline method. Download the application form and send it to the mentioned address.The application process will start from July to August, Website:
www.sitaramjindalfoundation.org

INSPIRE scholarship programme

This scholarship will be provided by Central Government to the 1% students of each State board who score highest marks. For apply this scholarship candidate must have to score 80% marks on last board exam.
Website: http://inspire-dGt.gov.in

ACCA India Simpson Scholarship:

Organisation: ACCA India
Scholarship Name: Simpson Scholarship
Applicable For: ACCA Students
Website: ttp://www.accaglobal.com/in/en/scholarships.html

Chief Minister Relief Fund Scholarship

West Bengal Chief Minister Relief Fund providing the scholarship for economically weaker students. For applying this scholarship candidate must have scored more than 60% marks in the last examination. Annual family income does not exceed 60,000/-. The awarded scholarship amount is 10,000/-. There is no last date to apply.
Website: http://www.webexam.in/2016/06/wb-chief-minister-relief-fund.html

GHCI 17 Student Scholarship Grace Hopper Celebration of Women in Computing

Organisation: Anita Borg Institute for Women in Technology
Scholarship Name: GHCI 17 Student Scholarship Grace Hopper Celebration of Women in Computing
Applicable For: Women Students Only
Application Deadline: Jun 30, 2017
Website: https://ghcindia.anitaborg.org/ghci-17-student-scholarships/
Apply Online: https://ssl.linklings.net/conferences/ghcindia/

Bighelp National Merit Scholarships

Organisation: Bighelp For Education
Scholarship Name: National Merit Scholarships
Applicable For: 10th Passed Municipal/Govt. School Students

Website : http://bighelp.org/bhp/site/scholarships
Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13579-form.pdf

Colgate-Scholarship

Organisation : Colgate-Palmolive (India) Ltd
Scholarship Name : Colgate Dental Cream Scholarship Offer
Applicable For : Individuals, having a child/ children below the age of 21 years
Website : http://www.colgate.co.in/app/Colgate/IN/Scholarship/terms-and-condition.cvsp

Kanyashree Prokolpo Scheme

West Bengal state government recently awarded the scholarship to girls students for continuing her study. The application will be done through school/college/university. An amount of 10,000/- will be awarded on this scheme. For more details visit the website.
Website: http://wbkanyashree.gov.in

Women Scientists Scheme WOS-A Scholarship: Department of Science & Technology

Organization: Department of Science & Technology
Scholarship Name: Women Scientists Scheme (WOS-A) Scholarship
Applicable For: Women Scientists
Applicable States: All India
Website: http://dGt.gov.in/scientific-programme/women-scientists.htm
Online Submission: http://online-wosa.gov.in:8080/wosa/public/doWelcome.action

Post Matric Scholarship (for SC/ST/OBC)

This scholarship provided by West Bengal State Govt. to the SC, ST and OBC candidates for their higher study. Students who are score at least 50%, in last final exam are eligible for this scholarship. The application is done through online.

Website: http://oasis.gov.in

FAEA Scholarship:

Organisation: Foundation for Academic Excellence and Access (FAEA)

Scholarship Name: FAEA Scholarship

Applicable For: Class XII Passed & 1st year UG Students

Website: http://www.faeaindia.org/

Apply Online:

http://www.faeaindia.org/Registration2017/Default.aspx

Notification:

http://www.scholarships.net.in/uploadG/13608-scholar.pdf

Gaurav Foundation Scholarship:

Organization: Gaurav Foundation

Applicable For: 12th Passed Students

Applicable States/UTs : All Over India

Website: http://www.gauravfoundation.org/scholarship.html

M.Phil & Ph.D. Fellowship For Minority Students :

Organisation: Karnataka Minority Welfare Department

Scholarship Name: M.Phil& Ph.D. Fellowship For Minority Students

Applicable For : Minority Students

Applicable State : Karnataka

Website : http://gokdom.kar.nic.in/

Notification:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13481-Ph.D.pdf
Apply Online:
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSc8CFNA dpIhdfrvIgbP4QXkvDPi1zNUBSyP9-sjJkwPeOpzLQ/viewform
Download Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13481-Offline.pdf

National Overseas Scholarship:

Organisation: Karnataka Directorate of Minorities
Scholarship Name: National Overseas Scholarship For Minority Community Students 2017-18
Applicable For: Minority Community Students
Applicable State: Karnataka
Application Deadline: 30.06.2017
Website : http://gokdom.kar.nic.in/
Notification:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13700-NOS.pdf

GSB Scholarship League Saraswat Community Financial Assistance :

Organisation: The G.S.B. Scholarship League
Scholarship Name :Saraswat Community Financial Assistance
Applicable For : School/College/Diploma Students
Website : http://www.gsbscholarshipleague.org/
Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13362- form.pdf

SC Scholarship For Achievements: Haryana Sports & Youth Affairs

Organisation: Haryana Department of Sports and Youth Affairs
Scholarship Name: SC Scholarship For The Achievements
Applicable For: Sports Persons
Applicable State : Haryana
Application Deadline : Jun-20-2017
Website :http://www.haryanasports.gov.in/
Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13686- Form.pdf

Cash Award For Achievements: Haryana Sports

Organisation: Haryana Department of Sports and Youth Affairs
Scholarship Name: Cash Award For The Achievements
Applicable For: Sports Persons
Applicable State: Haryana
Website: http://www.haryanasports.gov.in/
Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13691-Cash.pdf

BHIM AwardG & Cash Prize: Haryana Sports

Organisation: Haryana Department of Sports and Youth Affairs
Scholarship Name: BHIM AwardG & Cash Prize
Applicable For: Sports Persons
Applicable State : Haryana
Website: http://www.haryanasports.gov.in/
Notification:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13689-Note.pdf
Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13689-Form.pdf

MEDHAVI National Swawlamban-II Scholarship:

Organisation : Human Resources & Development Mission
Scholarship Name: MEDHAVI National Swawlamban-II Scholarship
Applicable For: 10th Passed Students
Application Deadline : 15/06/2017
Website : https://www.medhavionline.org/
Notification:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13401-Form.pdf

Jamaat e Islami Hind Scholarship Application:

Organisation: Jamaat e Islami Hind
Scholarship Name : Scholarship Application
Applicable For : Students Pursuing Post Graduation in Law, Islamic Finance, Islamic Banking, Media, Journalism, Sanskrit and Civil Services
Website : http://jamaateislamihind.org/eng/
Notification:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13643-Noty.pdf
Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13643-Form.pdf

MET Delhi IDB Scholarship Program: metdelhi.org

Organisation : MET Muslim Education Trust
Scholarship Name : IDB Scholarship Program
Website : http://metdelhi.org/scholarships
JBNSTS Senior Scholarship Test West Bengal: Jagadis Bose

National Science Talent Search

Organisation: Jagadis Bose National Science Talent Search
Scholarship Name: JBNSTS Senior Talent Search Scholarship Test

Applicable For: Students who have passed 10 + 2
Applicable State: West Bengal Application
Website: https://www.jbnsts.org/
Notification:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13705-Noty.PDF
Download Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13705-Senior.pdf
Apply Online:
https://www.jbnsts.org/Examination/STST2017/registration main.php

JBNSTS Junior Scholarship Test West Bengal: Jagadis Bose National Science Talent Search

Organisation: Jagadis Bose National Science Talent Search
Scholarship Name: JBNSTS Junior Talent Search Scholarship Test
Applicable For: Students who have passed 10 examination in
Applicable State: West Bengal
Website: https://www.jbnsts.org/
Notification:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13710-JTST.PDF
Download Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13710-junior.pdf
Apply Online:

KCMET MAITS Mahindra All India Talent Scholarship

Organization: K. C. Mahindra Education Trust
Scholarship Name: MAITS 2017 Mahindra All India Talent Scholarship
Applicable For: 10th/12th Passed Students
Applicable States/UTs: All Over India

Website: http://www.kcmet.org/what-we-do-Scholarship-Grants.aspx

Post Matric Scholarship National Portal Fresh & Renewal Ministry of Minority Affairs

Organisation: Ministry of Minority Affairs
Scholarship Name: Post Matric Scholarships Scheme For Minorities
Applicable For: Minority Community Students (Muslim/Christian/Sikh/Buddhist/Jain/Parsi)
Website:http://minorityaffairs.gov.in/schemesperformance/scholarship-schemes
Apply Online: http://www.scholarships.gov.in/#
Notification: http://www.scholarships.net.in/uploadG/13675-Time.PDF
Guidelines: http://www.scholarships.net.in/uploadG/13675-Guide.p

N.E.C Scholarship/Stipend Online Application & Renewal: Department of University & Higher Education

Organization: Department of University & Higher Education
Scholarship Name: N.E.C Scholarship/Stipend Online Application & Renewal
Applicable State: Manipur
Website:http://highereducationmanipur.gov.in/ViewScholars.aspx
Apply Online: http://highereducationmanipur.gov.in/candidate_signin_NEC.aspx

Metropolitan Scholarship India & Abroad: Education Group Organization: Metropolitan Education Group

Scholarship Name: Metropolitan Scholarship India & Abroad
Applicable State: All India
Application Deadline: 30th of June
Website: http://www.met.edu.in/scholarship.html
Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/3885scholarshipform.pdf

Pre Matric Scholarship National Portal Fresh & Renewal: Ministry of Minority Affairs

Organisation : Ministry of Minority Affairs
Scholarship Name: Pre Matric Scholarships Scheme For Minorities
Applicable For: Minority Community Students Studying in Classes I to X
Website:
http://minorityaffairs.gov.in/schemesperformance/scholarship-schemes
Apply Online: http://www.scholarships.gov.in/#
Notification:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13672-Time.PDF
Guidelines: http://www.scholarships.net.in/uploadG/13672-Guide.pdf

Merit Cum Means Scholarship National Portal Fresh & Renewal: Ministry of Minority Affairs

Organisation: Ministry of Minority Affairs
Applicable For: Minority Community Students Studying in Classes I to X
Applicable States/UTs: All Over India

Website:
http://minorityaffairs.gov.in/schemesperformance/scholarship-schemes
Apply Online: http://www.scholarships.gov.in/#
Notification: ttp://www.scholarships.net.in/uploadG/13676-Time.PDF
Guidelines: http://www.scholarships.net.in/uploadG/13676-guidelines.pdf

Late Smt. Sunita Devi Suresh Kumar Agrawal Scholarship: Nagpur Branch of WIRC of ICAI
Organization: Nagpur Branch of WIRC of ICAI
Scholarship Name: Late Smt. Sunita Devi Suresh Kumar Agrawal Scholarship
Applicable For: CA Final Students
Application Deadline: 10th August For May Examination & 10th February For November Examination
Website: http://www.nagpuricai.org/
Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/3659-Nagpur.pdf

NirankariMandal Baba Gurbachan Singh Scholarship Scheme, Organisation: SantNirankariMandal
Applicable For: Class X &Xll Passed Students
Website : https://www.nirankari.org/
Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13269-Form.pdf

Padala Charitable Trust PCT Educational Scholarships
Organisation: Padala Charitable Trust
Scholarship Name: Educational Scholarships 2017
Application Deadline: 30th June 2017

Website: http://padalacharitabletrust.org/educational-scholarship-program/
Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13534-PCT.pdf

Schoolguru SNDT's Women's University Scholarship Maharashtra

Organization: Schoolguru
Applicable For: Female Students Interested in Graduate and Post Graduate Courses
Applicable State: Maharashtra
Website: http://www.schoolguru.in/scholarships.html
Apply Now:
http://ums.cdesndtonline.ac.in/web/checklistform.aspx?token=VjBLVDVI

Shanti Foundation Jyoti Scholarship:

Organization: Shanti Foundation
Scholarship Name: Jyoti Scholarship
Application Starts On: October Each Year
Website:http://www.shantifoundation.in/Jyotischolarship/scholarship.php

Application For General Scholarship: ShriMahaviraJainaVidyalaya

Organization: ShriMahaviraJainaVidyalaya
Scholarship Name: Application For General Scholarship
Location: Mumbai
Website: http://www.smjv.org/Index.aspx
Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/3974-General.pdf

SKB Trust Higher Education Scholarship: SaradaKalyanBhandar

Organisation: SaradaKalyanBhandar
Applicable For: Higher Secondary Students
Website: http://www.skbtrust.org/
Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13631-Form.pdf

SOF World GCSS Girl Child Scholarship Scheme : Science Olympiad Foundation

Organisation: SOF Science Olympiad Foundation
Scholarship Name: GCSS Girl Child Scholarship Scheme
Website: http://www.sofworld.org/girl-child-scholarship-scheme-gcss
Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13447-Scheme.pdf

SOF World SEE Scholarship For Excellence in English: Science Olympiad Foundation

Organisation: SOF Science Olympiad Foundation & British Council
Applicable For: School Students
Website:http://www.sofworld.org/scholarship-for excellence-in-english-see
Nomination Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13443-Form.pdf

SIES SEAT Scholarship Application: South Indian Education Society

Organization: The South Indian Education Society
Applicable For: Deserving Candidates
Application Deadline: No Deadline
Website: http://www.siesedu.net/

Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/4165-form.pdf
Brochure: http://www.scholarships.net.in/uploadG/4165-brochure.pdf

Swansea University Science Scholarships For Indian Students

Organisation: Swansea University
Scholarship Name: Science Scholarships For Indian Students
Applicable For: Indian Students
Website: http://www.swansea.ac.uk/science/int

ernationalscholarships/science-scholarships-for-indian-students/

Application Form:
http://www.scholarships.net.in/uploadG/13508-China.doc
Next Genius Foundation Scholarship Program
Scholarship Name: The Next Genius Scholarship Program
Website: http://www.next-genius.com/index.html

Human Welfare Foundation

For the needy students only.
For more details please visit: http://hwfindia.org
Scholarship for the Students studies in Abroad
Scholarships & Education Loan
The Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education offers National Scholarship and also facilitates in the nomination process for the External Scholarships offered by various countries, to the meritorious and eligible students.

Dr Manmohan Singh Scholarships

Application Form: http://www.joh.cam.ac.uk/dr-manmohan-singh-scholarships--college-preliminary-application-form

Website: http://www.joh.cam.ac.uk/dr-manmohan-singh-scholarships

Oxford and Cambridge Society of India Scholarship

Applicationform: http://www.oxbridgeindia.com/scholarships/ocsi-scholarships-forms-and-dates/

Website: http://www.oxbridgeindia.com

USIEF Fulbright-Nehru Fellowships

Website: http://www.usief.org.in/index.aspx

Guidelines: http://www.usief.org.in/Fulbright-Nehru-Fellowships.aspx

Online Application: https://apply.embark.com/student/fulbright/international/20/

Chinese Government Scholarship

Guidelines: http://www.csc.edu.cn/studyinchina/newsdetailen.aspx?cid=66&id=3074

International PG Research Scholarship by Australia

Websites: http://www.scholars4dev.com/4950/australia-scholarships/

Guidelines: https://www.education.gov.au/research-training-program

Raman-Charpak Fellowship for Indian and French Ph.D students

Website: http://www.cefipra.org/Raman_Charpak.aspx
Guidelines:
http://www.cefipra.org/proposal/document/Updated%20guildlines%20For%20Raman%20Charpak%20Fellowship%202017%20for%20PhD%20students.pdf
Online Apply: http://www.cefipra.org/raman-charpak

Tata Scholarship for Cornell University,

Website: https://admissions.cornell.edu/apply/international-students/tata-scholarship
Online Apply:https://student.collegeboard.org/css-financial-aid-profile
Application Timelines:
https://admissions.cornell.edu/apply/application-timelines

US UCD UG scholarship

Website:http://www.ucd.ie/international/study-at-ucd-global/coming-to-ireland/scholarships-and-funding/ug-scholarships-and-funding/

Oxford University's Rhodes Scholarship

How to Apply:
https://www.rhodeshouse.ox.ac.uk/scholarship/how-to-apply-for
-a-rhodes-scholarship/
Website:
https://www.rhodeshouse.ox.ac.uk/scholarship/what-is-the-rhodes-scholarship/

University of Sheffield's Scholarship

Website:
https://www.sheffield.ac.uk/international/enquiry/money/scholarships
Guidelines:
https://www.sheffield.ac.uk/international/countries/asia/south-asia/india/scholarships

India4EU II Scholarship to study in Europe

Guidelines: http://www.india4eu.eu/scholarships
Website: http://www.india4eu.eu/

Commonwealth Scholarship and Fellowship

Website http://cscuk.dfid.gov.uk/apply/

Inlaks Scholarship

Website: http://www.inlaksfoundation.org/inlaks-scholarship.aspx

15. University of Sessex Scholarship

Website: http://www.sussex.ac.uk/study/masters/fees-and-scholarships
/scholarships/browse

For more information, you may visit:

http://www.scholarships.net.in/list-of-scholarships-in-india
For More details information about Abroad Scholarships:
http://scholarship-positions.com/india-scholarships
http://scholarship-positions.com/category/india-scholarships
Scholarship for higher study in Islamic Studies Only:
http://scholarship-positions.com/muslim-scholarships.

●●●